सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 44 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 27 नवंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

सीएम बघेल ने भाजपा पर लगाया राम मंदिर के बहाने राजनीति करने का आरोप, बोले-हमने कभी नहीं की राम पर पॉलिटिक्स

रायपुर। छत्तीसगढ़ चुनाव के बाद अब प्रदेश की राजनीति श्रीराम मंदिर पर गरमाई हुई है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में बन रहे राम मंदिर

का उद्घाटन 22 जनवरी 2024 को होना है। इससे पहले छत्तीसगढ़ में राम मंदिर को लेकर जमकर सियासत हो रही है। कांग्रेस लगातार आरोप लगा रही है कि भाजपा राम मंदिर उद्घाटन के मुद्दे को अपने फायदे के लिए उपयोग कर रही है। अब इस मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजेपी पर राम मंदिर के बहाने राजनीति करने का आरोप लगाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे कार्तिक माह के दौरान सूर्योदय से पहले स्नान करना छत्तीसगढ़ में आमतौर पर प्रचलित एक अनुष्ठान है। बच्चे, विशेष रूप से गांवों में, इस अनुष्ठान का पालन करते हैं। जैसा कि इस दिन प्रथा है, हमने प्रार्थना भी की। महादेव घाट और खारुन नदी में डुबकी लगाई। सूर्योदय से पहले स्नान करना स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। राम मंदिर उद्घाटन को लेकर उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा राम मंदिर उद्घाटन को राजनीतिक मुद्दा बना रही है। 'राम मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में कई स्थानों पर हमने भगवान राम को समर्पित कई मंदिर बनाए, लेकिन हमने उसके नाम पर कभी वोट नहीं मांगे।

दूसरी ओर तेलंगाना के मंत्री और बीआरएस नेता केटीआर राव के कांग्रेस पर दिए गए बयान पर कहा कि वो पिछले 10 वर्षों से सत्ता में हैं। लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप कांग्रेस पर आरोप लगा रहे हैं। इससे पता चलता है कि आप जो चाहें कह सकते हैं।

आस्था की डुबकी: शिवनाथ में उमड़े हजारों श्रद्धालु, देवों के नाम किया दीपदान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हिन्दु धर्म की पवित्र तिथि कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को दुर्ग की गंगा शिवनाथ नदी में हजारों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। सुबह ब्रह्ममुहुर्त पर शिवनाथ में हजारों लोगों ने स्नान कर देवों के ना दीपदान किया। इस दौरान नदी तट पर मेले जैसा माहौल दिखा। नदी तट पर भीड़ ऐसी कि लोगों को पैर रखने की जगह नहीं मिल रही थी। स्नान के बीच तट पर ढोल बाजे की गूंज व आतिशबाजी का अद्भूत नजारा भी देखने को मिला। दीपदान के बाद नदी पर दोनों ओर स्थित शिवालयों में जल चढ़ाने श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

हिन्दू पंचाग में कातिक मास का विशेष महत्व होता है। इस महीने विभिन्न पर्व मनाए जाते हैं। एक तरह से कार्तिक मास त्योहारों का महीना भी माना जाता है। मान्यता है कि देवउठनी एकादशी के बाद से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक देवता पांच दिन का उत्सव मनाते हैं। देव उठनी एकदाशी के दिन क्षीरसागर में भगवान विष्णु लंबी निद्रा के बाद जागे थे और पूर्णिमा के दिन वे देवलोक पहुंचते हैं। जहां उनके आगमन पर सभी देवी-देवताओं ने दीपमाला जलाकर उनका स्वागत किया था। इसलिए कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली भी कहा जाता है। पवित्र नदियों में आज के दिन स्नान करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।

शिवनाथ नदी के साथ तालाबों में हुआ दीपदान

कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर ट्विन सिटी दुर्ग-भिलाई में उत्सव सा माहौल दिखा। अल सुबह 3 बजे से ही लोग शिवनाथ नदी के लिए रवाना होने लगे। सूरज निकलने से पहले स्नान व दीपदान को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। शिवनाथ नदी के अलावा दुर्ग जिले में बहने वाली खारूण नदी तट पर भी देव दीपावली की सुबह दीपदान हुआ। नदी के साथ ही शहर के विभिन्न तालाबों में भी देवों के नाम पर दीपदान किया गया। शिवनाथ नदी तट पर कार्तिक पूर्णिमा के पुण्य स्नान को लेकर होने वाली भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

कांग्रेस 30 नवंबर तक मतगणना एजेंट्स को देगी ट्रेनिंग, प्रदेश से भेजे जाएंगे मास्टर ट्रेनर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मतदान की गणना होने में कुछ ही दिन बचे हैं। कांग्रेस भाजपा दोनों ही राजनीतिक पार्टी ने स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए अपने-अपने कार्यकर्ताओं का ड्यूटी लगाई है। कांग्रेस पार्टी मतगणना के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। पार्टी के सभी मतगणना एजेंट्स (अभिकर्ता) को ट्रेनिंग दी जाएगी।

3 दिसंबर को होने वाले गिनती के लिए कांग्रेस पार्टी ने मतगणना एजेंट्स को ट्रेनिंग देगी। इसके लिए सभी एजेंट्स को इसकी जानकारी दे दी गई है। मतगणना के समय सभी अभिकर्ता को अलर्ट रहने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए प्रदेश से मास्टर ट्रेनर भेजे जाएंगे। इससे सभी एजेंट्स अलर्ट रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस ने 3 दिसंबर को होने वाली मतगणना की तैयारी को लेकर सभी जिला संगठन मुख्यालय में विधानसभा वार मतगणना अभिकर्ताओं को प्रशिक्षण देने निर्देश दिए हैं। 27 नवंबर से 30 नवंबर तक मतगणना अभिकर्ता ट्रेनिंग कार्यक्रम होंगे।

बेमौसम बरसात के दौरान बिजली गिरने से 20 की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में बेमौसम बरसात के दौरान बिजली गिरने की घटनाओं में 20 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह आंकड़ा जारी किया। घटना पर गृह मंत्री अमित शाह ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन राहत-बचाव कार्यों में लगा है। राज्य के आपात अभियान केंद्र के अधिकारी ने बताया कि गुजरात के अलग-अलग क्षेत्रों में बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज हुईं। इनमें कई लोगों की मौत हुई है।

गुजरात के दाहोद में सबसे ज्यादा चार लोगों की जान गई। वहीं भरूच में तीन, तापी में दो और अहमदाबाद,

अमरेली, बनासकांठा, बोताड, खेड़ा, मेहसाणा, पंचमहल, सबरकांठा, सूरत, सुरेंद्रनगर, देवभूमि द्वारका में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, फसलों के नुकसान के अलावा सौराष्ट्र के मोरबी जिले में सेरेमिक उद्योग को भी काफी नुकसान हुआ है, क्योंकि यहां तेज बारिश की वजह से फैक्ट्रियों को बंद कर दिया गया।

मौसम विभाग ने कहा है कि सोमवार को बारिश कम रहेगी और गुजरात के दक्षिणी इलाके और सौराष्ट्र में ही सीमित होगी। बताया गया है कि बेमौसम बरसात की वजह उत्तर-पूर्व अरब सागर में चक्रवाती तूफान है, जो कि सौराष्ट्र और कच्छ के क्षेत्र पर असर डाल रहा है।

नक्सलियों ने फूंक दिए 16 वाहन, सड़क निर्माण में लगी थी गाड़ियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर बड़ी घटना को अंजाम दिया है। यहां के भांसी थाना क्षेत्र में सड़क निर्माण में लगे 16 वाहनों को आग के हवाले कर दिया। आधी रात को नक्सलियों ने इस घटना को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि इस दौरान नक्सलियों ने मौके पर मौजूद चौकीदारों को भी धमकाया। फिलहाल में इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आासपास सर्चिंग की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात दंतेवाड़ा जिले के बैलाडीला मार्ग पर निजी कंस्ट्रक्शन कंपनी के डेढ़ दर्जन वाहनों को आग के

हवाले कर दिया। घटना भांसी थाना से लगभग एक किमी की दूरी पर हुई। यहां नीजी कंट्रक्शन कंपनी आरसी नाहर कंपनी का कैंप लगा हुआ था। कंपनी द्वारा दंतेवाड़ा से बैलाडिला मार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा था। आधीरात को 100 से ज्यादा हथियारबंद नक्सली पहुंचे और मौके पर मौजूद चौकीदारों को धमकाते हुए वहां खड़ी हाइवा, जेसीबी, पोकलेन, पेवर मशीन समेत 16 गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया।

घटना की सूचना के बाद एएसपी रामकुमार बर्मन भी दल-बल के साथ पहुंचे। जब तक पुलिस पहुंचती सभी वाहन जलकर खाक हो चुके थे। नक्सली इस क्षेत्र में लगातार विकास का विरोध कर रहे हैं। सड़क निर्माण में लगे वाहनों के साथ यहां से कुछ दूरी पर हो रहे रेलवे लाइन दोहरीकरण कार्य में लगे कुछ वाहनों को भी नक्सलियों ने नुकसान पहुंचाया। नक्सलियों की इस करतूत से निर्माण एजेंसी को काफी नुकसान हुआ है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मुंबई के हुए हार्दिक, कैमरून अब आरसीबी में

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पांड्या आखिरकार रविवार को अपनी पुरानी आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस वापस लौट गए। उनका 72 घंटे के ड्रामे के बाद कैश ट्रेड डील के साथ गुजरात से मुंबई की टीम में जाना हुआ। इस ऑल कैश डील में कोई खिलाड़ी शामिल नहीं होता है। रविवार को पांच बजे आईपीएल की रिटेन विंडो की समय सीमा समाप्त हो गई थी और उस समय तक गुजरात ने हार्दिक का नाम अपनी रिटेन सूची में रखा हुआ था। हालांकि, अभी तक औपचारिक कागजी कार्रवाई पूरी नहीं हुई है और इसलिए आईपीएल व बीसीसीआई ने इस फैसले को अपनी मंजूरी नहीं दी है।

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य ने कहा, शाम पांच बजे के बाद हार्दिक का ट्रेड ऑफ पूरा हुआ। सौदा अब औपचारिक रह गया है और वह अब मुंबई के खिलाड़ी हैं। यह एक ऑल कैश डील है। मुंबई ने अपने ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन को ऑल कैश डील के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के साथ समझौता किया है। मुंबई के पास हार्दिक को टीम में शामिल करने के लिए गुजरात के साथ ऑल कैश डील करने का पर्याप्त धन था। ग्रीन को पिछली नीलामी के दौरान मुंबई ने 17.5 करोड़ रुपये में टीम के साथ जोड़ा था।

हार्दिक पिछले साल गुजरात के साथ जुड़े थे और टीम के पदार्पण सत्र में खिताब जीता था। इस साल भी टीम हार्दिक की कप्तानी में फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन खिताबी मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स से हार गई थी। हार्दिक का गुजरात के साथ दो साल का करार था। सभी 10 टीमों ने अपने-अपने रिटेन (कायम) और रिलीज (बाहर करना) खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है।

भाजपा-कांग्रेस के इस बेसब्रेपन का क्या मतलब

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में मतदान का अंतिम चरण पूरा होकर दस दिन बीत चुके हैं। एक सप्ताह बाद इसके नतीजे भी आ जाने हैं। जिन नेताओं को दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी मिली है, वो अब भी व्यस्त हैं। पर जिन्हें पार्टी ने इस लायक भी नहीं समझा, वो यहीं हवा में लाठी भांज रहे हैं। ये सब के सब बेकार बैठे हैं। बेकार लोग किसी जमाने में चौपाल में अड्डा मारा करते थे। उनके बाद की पीढ़ी ने इसके लिए पानठेला चुना। कुछ लोग चाय की गुमटियों में बैठकी जमाते हैं। खूंटों पर कील से ठुकी पटरी पर बैठकर वो देश दुनिया की चिंता करते हैं। फिलहाल नेता और राजनीतिक पत्रकार दोनों ठल्ले बैठे हैं। ऐसे में नेता की जिम्मेदारी बनती है कि वह मीडिया को मसाला दे। भाजपा के एक सीनियर नेता ने मीडिया को मुद्दा दे दिया। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना से कांग्रेस की पैंट गीली हो गई है। कांग्रेस के प्रवक्ता ने तत्काल इसपर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह नेता सबसे ज्यादा अभद्र और अशिष्ट है। उन्होंने कहा कि भाजपा बौखलाई हुई है, इसलिए उसके नेता अपनी खीझ निकाल रहे हैं। हालांकि, इन दोनों ही बातों का कोई मतलब नहीं है। बदतमीज और घमंडी नेताओं को जनता समय आने पर सबक सिखा ही देती है। दरअसल, यह अपसंस्कृति उसी सामंती व्यवस्था का हिस्सा है, जिसे संविधान के द्वारा खत्म करने की कोशिश की गई थी। आज भी बड़े लोग अपनी बैठकों में बैठकर अभद्र और अशालीन भाषा का उपयोग करते हैं। नेताओं, खासकर महिला नेताओं को लेकर भद्दी टिप्पणियां करते हैं। यहां चलने वाले चुटकुलों को सुनकर सभ्य समाज के कान लाल हो सकते हैं। चमचा टाइप के लोग इसी पर ही-ही खी-खी कर लेते हैं। दाऊ को न तो कोई टोकता है और न ही उसे आईना दिखाता है। लिहाजा बदतमीज और भी ज्यादा बदतमीज हो जाता है। जब बदतमीजी आदत बन जाती है तो अपने पराए का भेद भी जाता रहता है। लोग उनके साथ भी बदतमीजी कर बैठते हैं जो उनके लिए अपनी जान दांव पर लगाया करते हैं। चमचा हो या चेला, बैठक में अपनी बेइज्जती पर चुप ही रहना पसंद करता है। पर अपमान को पचा पाना बड़े साहस का काम है। प्रत्यक्ष तौर पर तो वह खिसियानी हंसी हंसकर चुप हो जाता है पर भीतर ही भीतर आग सुलगती रहती है। ऐसे छपरी टाइप को एक दिन वह खुद ही टपरी पर बैठा आता है। पहले भी कई नेताओं ने अपने बड़बोलेपन और बेलाग जुबान की भारी कीमत चुकाई है। जो समझदार होते हैं, सुधर जाते हैं। जनता उन्हें दोबारा मौका भी देती है पर जिनकी दुकान ही किसी और के नाम पर चल रही हो, वो भला क्यों इसकी परवाह करने लगे। वैसे रेवड़ियों के खिलाफ खड़े लोग एकाएक दरियादिल कैसे हो गए, यह सवाल तो पूछा ही जा सकता है।

संपादकीय

चीन में और वायरस

चीन में एक और खतरनाक वायरस के फैलने की खबर ने चिंता में डाल दिया है। बताया जा रहा है, यह एक नए तरह का निमोनिया है, जिसके प्रतिदिन 7,000 मामले सामने आ रहे हैं। खासकर बच्चे इसके निशाने पर हैं, जिससे चिंतित विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चीन में लोगों को सावधान किया है। सांस संबंधी बीमारी के खतरे को कम करने के मकसद से लोगों को उसी तरह के उपाय आजमाने पड़ेंगे, जैसे कोरोना के समय आजमाए गए थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन से सूचनाएं साझा करने को कहा है, क्या इस बार चीन इस नए वायरस के बारे में पूरी सूचनाएं देगा? ताजा वायरस के बारे में शुरुआती सूचनाएं 13 नवंबर से ही सामने आने लगी थीं और काम की सूचना यह भी है कि चीन इस नए वायरस को लेकर सतर्क है। साथ ही, उसने किसी तरह की चिंता से भी इनकार किया है। सूचना के अनुसार, चीन के उत्तरी क्षेत्रों में पिछले तीन वर्षों की इसी अवधि में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी में बढ़त देखी जाती है। क्या यह केवल मौसमी समस्या है? अगर मौसमी समस्या है, तो चीन इसे स्थायी रूप से रोकने के क्या उपाय कर रहा है?

> “ अनेक देशों में श्वसन संबंधी समस्या नगण्य है, जबकि चीन में गर श्वसन रोग के मामले ज्यादा हैं, तो चीनी अधिकारियों व नेताओं को गंभीर हो जाना चाहिए। चीन आलोचना को सकारात्मक ढंग से ले, तो यह उसके लिए भी बेहतर है। कोरोना के समय उसका जो रुख था, वह इतिहास में दर्ज है।

उत्तरी चीन में बच्चों में देखा जा रहा यह इन्फ्लूएंजा एक अज्ञात निमोनिया की वजह बन रहा है। दुनिया के देश चीन से यही उम्मीद करेंगे कि वह इस बार किसी भी तरह की गंभीर सूचना न छिपाए। अपने ही स्तर पर संक्रमण को रोक ले। चीन में अगर यह इन्फ्लूएंजा फैला, तो जाहिर है, उसके नाम पर भी बट्टा लगेगा। चीन खुद को महाशक्ति के रूप में पेश करता है, लेकिन अगर वह पूरी सख्ती के बावजूद संक्रामक बीमारियों से लड़ने में नाकाम रहता है, तो इससे दुनिया के उन देशों तक खराब संदेश जाएगा, जो चीन से उम्मीद रखते हैं। यह तो अपने आप में संगीन मामला है कि आखिर चीन में अज्ञात बीमारियां क्यों ज्यादा फैल रही हैं? श्वसन संक्रमण का खतरा अगर चीन में ज्यादा बढ़ा है, तो इसकी वजह जरूर खोजनी चाहिए। अनेक देशों में श्वसन संबंधी समस्या नगण्य है, जबकि चीन में गर श्वसन रोग के मामले ज्यादा हैं, तो चीनी अधिकारियों व नेताओं को गंभीर हो जाना चाहिए। चीन आलोचना को सकारात्मक ढंग से ले, तो यह उसके लिए भी बेहतर है। कोरोना के समय उसका जो रुख था, वह इतिहास में दर्ज है। पूरी सख्ती या तल्खी के साथ चीन ने किसी तरह के आरोप को खारिज किया था, पर अब अगर वहां से नए वायरस का सिलसिला न थमे, तो चीनी तल्खी बेरहमी में गिनी जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी अब ज्यादा जिम्मेदारी का परिचय देना चाहिए। चीन के प्रति उसके उदार रवैये की निंदा पहले भी हो चुकी है। संगठन की टीम चीन गई थी, पर दुनिया में करीब 70 लाख लोगों की जान लेने वाला कोरोना वायरस किसी प्रयोगशाला से निकला था या किसी जानवर की वजह से फैला था, यह तय नहीं हो पाया। वैसे चीन में फैलती बीमारियों पर वहां के डॉक्टरों और चिकित्सकों को भी ज्यादा मुस्तैदी से काम करना होगा। यदि वहां खान-पान या रहन-सहन में खराबी आ गई है, तो स्वस्थ दुनिया के लिए सुधार के बड़े प्रयास होने चाहिए। जब चीन नाना प्रकार के खाद्य-अखाद्य उत्पाद दुनिया में बेचता है, तब तो यह सोचना ही होगा कि हम इंसानों की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्यों कमजोर होती जा रही है? चीन ही नहीं, दुनिया भर में तमाम ऐसे व्यवसायों या खान-पान को रोकना होगा, जिनसे सेहत को बहुत नुकसान पहुंच रहा है।

किस मोड़ पर रिश्ता?

एक ब्रिटिश अखबार ने यह सनसनीखेज खबर छापी कि अमेरिका ने अपने यहां खालिस्तानी कार्यकर्ता गुरपतवंतसिंह पन्नू की हत्या की कोशिश को नाकाम कर दिया था और इस बारे में उसने भारत को चेतावनी दी थी। उसी खबर में बताया गया कि अमेरिकी अभियोजकों ने इस बारे में एक वैधानिक दस्तावेज तैयार किया है। प्रशासन के भीतर अभी इस बात पर चर्चा चल रही है कि इसमें शामिल बातों को अभी सार्वजनिक किया जाए या कनाडा में सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में चल रही जांच के किसी नतीजे पर पहुंचने तक इंतजार किया जाए। ये खबर जी-20 की भारत की तरफ से आयोजित ऑनलाइन बैठक से कुछ ही घंटों पहले प्रकाशित हुई। बाद में भारत ने पुष्टि की कि अमेरिका ने उसे संदेश भेजा था, जिसमें वहां अपराधियों, बंदूक तस्करों और आतंकवादियों की मिलीभगत के बारे में सूचना दी गई थी। उधर अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका इस मामले को अति गंभीरता से ले रहा है और इसे भारत के साथ सर्वोच्च स्तर पर भी उठाया गया है। प्रवक्ता ने कहा है कि अमेरिका अपने नागरिको की सुरक्षा को सर्वोच्च महत्त्व देता है। उसने कहा कि अमेरिका को उम्मीद है कि इस घटना के लिए दोषी लोगों की जवाबदेही भारत तय करेगा। जाहिर है, दोनों देशों ने ब्रिटिश अखबार की खबर की संकेतों की भाषा में पुष्टि की है। यह इस बात का संकेत है कि अमेरिका इस मसले को भारत के साथ कोई सार्वजनिक विवाद खड़ा नहीं करना चाहता, जैसाकि कनाडा ने किया था। लेकिन अमेरिका ने इस विवाद में कनाडा का पूरा समर्थन किया है। अभी इसी महीने 2+2 वार्ता के लिए नई दिल्ली आए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पत्रकारों से कहा था कि अमेरिका ने भारत से कनाडा की जांच में सहयोग करने को कहा है। अर्थात इस मामले में अमेरिका ने भारत के खंडन को स्वीकार नहीं किया है। यह साफ तौर पर दोनों देशों के संबंध में पैदा हुए अविश्वास का संकेत है। इससे इस रिश्ते की भावी स्वरूप पर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

तेलंगाना में फिर जोर लगाया भाजपा ने

भारतीय जनता पार्टी ने तेलंगाना में एक साल पहले बहुत बड़ा राजनीतिक अभियान शुरू किया था। लेकिन फिर उसने अपने कदम पीछे खींच लिए थे। कहा जाने लगा था कि भाजपा को फीडबैक मिली है कि अगर वह बहुत जोर लगा कर लड़ेगी तो उसका फायदा कांग्रेस को होगा। भाजपा नहीं चाहती है कि कांग्रेस जीते इसलिए उसने अपना राजनीतिक अभियान धीमा कर दिया ताकि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति और कांग्रेस में सीधा मुकाबला हो। लेकिन भाजपा ने अब फिर अभियान तेज कर दिया है। कहा जा रहा है कि उसके पीछे हटने के बावजूद यह धारणा बनी कि अब कांग्रेस जीत रही है और बीआरएस लगातार पिछड़ती जा रही है। इसलिए भाजपा ने नई रणनीति के तहत अपना प्रचार अभियान तेज किया है। राजस्थान में प्रचार समाप्त होते ही भाजपा की पूरी टीम तेलंगाना पहुंच गई है। भड़काऊ भाषणों के लिए मशहूर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा भी प्रचार में पहुंच गए हैं। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में वो तमाम वादे किए हैं, जो कांग्रेस ने किए हैं। उसने भी दिल खोल कर मुफ्त में सेवाएं और वस्तुएं बांटने का ऐलान किया है। इसके अलावा दलित समुदाय में मडिगा वोट को लेकर भाजपा ने बड़ी पहल की है। कुछ दिन पहले अपनी सभी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मडिगा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे कृष्णा मडिगा को मंच पर गले लगाया और अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण का वादा किया। अब बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार ने इसके लिए कमेटी बनाने सहित कई तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी तरह तेलंगाना के मध्य वर्ग को आकर्षित करने के लिए अमित शाह ने वादा किया है कि सरकार बनी तो प्रवासी भारतीयों के लिए एक अलग मंत्रालय बनाएंगे। गौरतलब है कि राज्य के लगभग सभी मध्यवर्गीय परिवारों का कोई न कोई व्यक्ति विदेश में रहता है।

> “ जिस सर्वे में मेडिकल महंगाई का खतरनाक आंकड़ा सामने आया है, उसमें यह फिक्र भी जताई गई है कि इलाज का खर्च बेतहाशा बढ़ने का सीधा असर करीब नौ करोड़ लोगों पर पड़ता है, जिनके महीने के खर्च का 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा सिर्फ इलाज के खाते में चला जाता है। फिक्र की बात है कि 51 साल से ज्यादा उम्र वाले लोग ही बीमा के बारे में ज्यादा सोचते हैं। जिन लोगों को कोई गंभीर बीमारी हो।

महंगाई कभी आफत तो कहीं राहत

आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार

महंगाई! भूत प्रेत की तरह उन चंद चीजों में शामिल है, जिनका नाम ही खौफ पैदा करने के लिए काफी है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में महंगाई का नाम कहीं राहत के साथ, तो कहीं खुशी के साथ लिया जा रहा है। महंगाई के आंकड़ों में राहत की खबरें तो आ रही हैं। खुदरा महंगाई बढ़ने की रफ्तार पिछले पांच महीनों से लगातार गिर रही है और थोक महंगाई की दर तो सात महीनों से शून्य के नीचे है, यानी महंगाई या महंगाई की रफ्तार नहीं, बल्कि दाम गिर रहे हैं। अब यह दाम गिरना फायदेमंद है या नुकसानदेह- यह एक अलग सवाल है, लेकिन महंगाई कम होना या दाम गिरना पहली नजर में खुशखबरी तो है ही, और ऊपर से सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की खबर से खुशी का डबल डोज मिल गया। यहां तक कि चुनाव आयोग ने कुछ ऐसे राज्यों में भी सरकार को महंगाई भत्ता बढ़ाने की इजाजत दे दी है, जहां चुनाव चल रहे हैं।

यह फैसला हैरान करने वाला नहीं है, क्योंकि महंगाई भत्ता बढ़ना एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। महंगाई बढ़ेगी, तो भत्ता बढ़ना भी स्वाभाविक है, लेकिन अखबारों और वेबसाइटों की सुर्खियां देखें, तो लगता है कि मानो इन राज्यों में और केंद्र सरकार के कर्मचारियों की लॉटरी लग गई है। लोगों को भत्ता दिखता है, मगर यह नहीं दिखता कि इसके पहले महंगाई बढ़ी है, जिसका असर कम करने के लिए भत्ता बढ़ाना पड़ता है।

ऐसा क्यों होता है? इसकी अपनी कहानी है। केंद्र सरकार के कर्मचारी और राज्य सरकारों या सरकारी कंपनियों के कर्मचारी के अलावा अब ऐसे लोग बहुत कम रह गए हैं, जिन्हें तनख्वाह के साथ महंगाई भत्ता भी मिलता है। वजह यह है कि अर्थव्यवस्था और कारोबारी तौर-तरीकों में बदलाव हुआ है। पुरानी व्यवस्था में सरकारी नियमों के हिसाब से तनख्वाह के साथ मकान किराया भत्ता और महंगाई भत्ता जैसी चीजें जुड़ती थीं और फिर पीएफ वगैरह काटकर तनख्वाह बनती थी। इसके बाद एक सीमा से ज्यादा तनख्वाह वालों को टैक्स भी भरना पड़ता था। इसी चक्कर में मालिकों और कर्मचारियों में सहमति बनने लगी कि ऐसा रास्ता निकाला जाए कि टैक्स भी बच जाए, और हो सके, तो पीएफ भी न चुकाना पड़े, यानी पूरा का पूरा पैसा हाथ में आ जाए। शुरुआत तो ऊंची कुर्सियों पर बैठे लोगों से हुई थी, पर यह सिलसिला तेजी से बढ़ता गया और निजी क्षेत्र में ज्यादातर लोग इसी रास्ते पर निकल पड़े। बीच में कुछ सख्ती और समझदारी का असर है कि पीएफ ज्यादातर लोगों का आज भी कट रहा है और सरकार को भी जब रोजगार का आंकड़ा दिखाना होता है, तो वह बताती है कि इस महीने ईपीएफओ

में कितने नए सदस्य जुड़े हैं, यानी कितने नए लोगों को रोजगार मिल गया है। इस आंकड़े पर भी बहस है, पर यह फिर कभी। फिलहाल काम की बात यह है कि देश में रोजगार में लगे लोगों का भी बड़ा हिस्सा अब तनख्वाह के साथ महंगाई भत्ता नहीं पा रहा है। ऐसे लोगों की गिनती बड़ी होने के कारण ही उन्हें लगता है कि जिन सरकारी कर्मचारियों को महंगाई भत्ता मिला, उनकी लॉटरी लग गई।

अब दूसरी तरफ देखें। महंगाई कम होने की खबरों और खुशखबरियों के बीच एक सर्वे आया है, जो बताता है कि भारत में इलाज का खर्च तेजी से बढ़ा है। भारत में मेडिकल महंगाई की दर एशिया में सबसे तेज 14 प्रतिशत की ऊंचाई पर पहुंची हुई है। इसी साल मार्च में सरकार ने दवा कंपनियों को महंगाई के हिसाब से दाम बढ़ाने की इजाजत दी थी, जिसके बाद अप्रैल में ज्यादातर जरूरी दवाओं के दाम में 12 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई थी। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में रोजगार में लगे लोगों की गिनती 52.2 करोड़ थी, जो 2030 तक बढ़कर 56.9 करोड़ हो जाने का अनुमान है। हालांकि चिंताजनक आंकड़ा यह है कि इनमें से सिर्फ 15 प्रतिशत लोग ऐसे होंगे, जिनके इलाज या चिकित्सा बीमा का इंतजाम उन्हें नौकरी पर रखनेवाले संस्थान कर रहे होंगे।

जिस सर्वे में मेडिकल महंगाई का खतरनाक आंकड़ा सामने आया है, उसमें यह फिक्र भी जताई गई है कि इलाज का खर्च बेतहाशा बढ़ने का सीधा असर करीब नौ करोड़ लोगों पर पड़ता है, जिनके महीने के खर्च का 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा सिर्फ इलाज के खाते में चला जाता है। फिक्र की बात है कि 51 साल से ज्यादा उम्र वाले लोग ही बीमा के बारे में ज्यादा सोचते हैं। जिन लोगों को कोई गंभीर बीमारी हो, उनमें से तो 85 प्रतिशत को यही लगता है कि उन्हें कंपनी की तरफ से कोई सहारा नहीं मिलता है। मेडिकल महंगाई से निपटने का एक तरीका सरकारी अस्पतालों का तंत्र मजबूत करना भी है।

बहरहाल, महंगाई अपने आप में बड़ी समस्या है? भारत में थोक के भाव गिरने की खबर और खुदरा महंगाई छह प्रतिशत के नीचे आने के बाद भी रिजर्व बैंक आश्वस्त नहीं बैठा है। वित्त मंत्रालय ने अपने मासिक आर्थिक सर्वेक्षण में कहा है कि महंगाई के मोर्चे पर रिजर्व बैंक पूरी तरह चौकन्ना है। मतलब साफ है, अभी सरकार और रिजर्व बैंक आश्वस्त नहीं हैं। सर्वेक्षण का यह भी कहना है कि महंगाई को काबू करने के लिए रिजर्व बैंक ने जो दरें बढ़ाई हैं, उनका पूरा असर होने पर, यानी बैंकों द्वारा दर बढ़ाने और कर्ज की किस्तें बढ़ने का असर बाजार में मांग पर पड़ सकता है, यानी यह बहुत सतर्क रहने का समय है।

यहां एक बात समझनी भी जरूरी है कि महंगाई का नाम सुनकर कितना भी डर लगता हो, भारत जैसे विकासशील देश में महंगाई न होना भी चिंताजनक हो सकता है। महंगाई का सीधा अर्थ तो यही है कि देश में चीजों की मांग बढ़ रही है। अब इस मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाना और उसे बाजार तक पहुंचाना जरूरी हो जाता है। जैसे ही यह किया जाता है, तो अर्थव्यवस्था का चक्का घूमने लगता है। जहां एक हद से ज्यादा महंगाई परेशानी का सबब है, वहीं एक हद से कम महंगाई भी तकलीफ का संकेत हो सकती है। यही वजह है, रिजर्व बैंक महंगाई को खत्म करने नहीं, बल्कि दो से छह प्रतिशत के बीच रखने के इरादे से ही काम करता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बोर्ड परीक्षाओं में बड़े बदलाव का आ गया सही समय

अनुराग बेहर, सीईओ, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

बोर्ड परीक्षाएं भारतीय शिक्षा की प्रमुख समस्याओं में एक हैं। 'स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा', यानी एनसीएफ-एसई, 2023 में इस पर पर्याप्त ध्यान दिया गया है और तात्कालिक मुद्दों से बचने के बजाय उनको डटकर स्वीकार किया गया है। इनमें सबसे बड़ा मुद्दा है, बोर्ड परीक्षा के कारण परीक्षार्थियों और उनके परिवारों में होने वाला तनाव। इसकी कई वजहें हैं, जैसे- परीक्षा के अंकों को सामाजिक रूप से 'मूल्यवान' समझा जाता है और यह माना जाता है कि जीवन में ये बदलाव लाने की क्षमता रखते हैं, बोर्ड परीक्षा के नतीजों का उपयोग कॉलेज में दाखिला लेने या कभी-कभी नौकरियों के लिए भी किया जाता है, परीक्षा में एक दिन का खराब प्रदर्शन गंभीर रूप से नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, इन अंकों से कोचिंग संचालक व्यावसायिक हित साधते हैं और पैसे कमाने के लिए फर्जी प्रतिस्पर्द्धी दबाव बनाते हैं।

दूसरा मुद्दा, अधिकांश बोर्ड परीक्षाएं अपने प्रारंभिक उद्देश्य पूरा नहीं कर पातीं और इससे भी बुरी बात यह है कि ये स्कूलों में शैक्षणिक प्रयासों की दिशा बदल देती हैं। दरअसल, इन परीक्षाओं का मकसद 10वीं और 12वीं कक्षा के अंत में बच्चों की क्षमताओं का आकलन करना है। इसके बजाय, कई स्कूल तमाम तरह के तथ्यों को याद कराना बेहतर समझते हैं। यह तरीका छात्रों की सीखने की समझ प्रभावित करता है। तीसरा मुद्दा है, ज्यादातर परीक्षाओं का आदर्श चरित्र न होना, जिनमें मूल्यांकनकर्ताओं में कई भिन्नताएं होती हैं। इससे स्वाभाविक तौर पर हमारी कई बोर्ड परीक्षाओं की विश्वसनीयता कठघरे में आ जाती है।

एनसीएफ-एसई इन तमाम मुद्दों के समाधान के लिए बोर्ड परीक्षाओं में महत्वपूर्ण बदलाव करती है। ये परिवर्तन एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और सीखने के मानकों, सामग्री, पाठ्य-पुस्तकों, शैक्षणिक तरीकों जैसे पाठ्यक्रम के समग्र

दृष्टिकोण को महत्व देते हैं। इसके तहत परीक्षार्थियों पर बोर्ड परीक्षा का बोझ कई रूपों में कम किया जाएगा। मसलन, परीक्षाओं को 'आसान' और 'हल्का' बनाया जाएगा। यहां यह मत समझिए कि परीक्षा की कठोरता कम की जाएगी, बल्कि उसमें तथ्यों पर जोर देने के बजाय योग्यता को जांचा जाएगा। इससे विषय-सामग्री का भार हल्का हो जाएगा। इसी तरह, सभी बोर्ड परीक्षाएं साल में कम से कम दो बार आयोजित की जाएंगी, जिनमें छात्रों को दूसरी बार परीक्षा देने और सुधार करने का विकल्प मिलेगा। इसमें केवल सर्वोत्तम अंक ही मार्कशीट में लिखे जाएंगे। इसके बाद हम 'ऑन डिमांड' परीक्षाओं की ओर भी बढ़ेंगे, यानी परीक्षार्थी जब भी तैयार हो जाए, तब परीक्षा होगी। यह कदम उनमें तनाव कम करने में मददगार साबित होगा।

जैसा कि इस रूपरेखा में कहा गया है, बोर्ड परीक्षाएं माध्यमिक चरण के लिए योग्यताओं का आकलन करेंगी। इसे सुनिश्चित करने के लिए परीक्षाओं के तमाम पहलुओं पर काम किया जाएगा, जिनमें प्रश्न-पत्र तैयार करने और कॉपी जांचने वालों का सख्ती से चयन और उनका उचित प्रशिक्षण भी शामिल है। बेशक, उच्च शिक्षा में प्रवेश के तरीके इस रूपरेखा के दायरे में नहीं हैं, लेकिन यह इस मसले को भी सामने लाता है। सच यही है कि भारत में उच्च गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षण संस्थानों की कमी है, जिसके कारण उस स्तर पर प्रवेश की प्रक्रिया में सबसे उपयुक्त के चयन के लिए अनगिनत दावेदारों की दावेदारी खारिज कर दी जाती है। चूंकि बोर्डपरीक्षाओं में सीखने की क्षमता का आकलन किए जाने के कारण सभी छात्र बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं, ऐसे में, बेहतर उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के क्रम में बहुतों को निराश होना पड़ सकता है। इस संकट का समाधान निस्संदेह स्कूली शिक्षा में नहीं है, मगर राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में इन चुनौतियों से पार पाने की क्षमता है। उसके कुछ प्रावधान तो लागू भी कर दिए गए हैं, जैसे-'कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट' की शुरुआत। हालांकि, यहां मैंने सिर्फ बोर्ड परीक्षाओं की चर्चा की है, लेकिन एनसीएफ में सभी कक्षाओं की परीक्षाओं के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। हमें वास्तविक रूप से सीखने और उनका मूल्यांकन करने के लिए इन परीक्षाओं में बदलाव और सुधार करना ही चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सदियों के साथी के दिन भी बहुरेंगे!

क्षमा शर्मा

पिछले दिनों कोझीकोड से एक कुत्ते की खबर आई थी। यह कुत्ता वहां के एक अस्पताल के शवगृह के सामने लगातार चार महीने से बैठा है। भला हो मीडिया का कि यह कुत्ता सुर्खियां बना। इसे भारत का हाचिको कहा गया। हाचिको वह कुत्ता था जिसका मालिक जापान के शिबुया स्टेशन से रेलगाड़ी में बैठकर युद्ध के लिए चला गया। युद्ध में उसकी मृत्यु हो गई। लेकिन हाचिको वहीं बैठा रहा। नौ साल तक वह इस बात का इंतजार करता रहा कि कभी तो उसका मालिक लौटेगा। लेकिन मालिक कभी नहीं लौटा। लौटता भी कैसे। वह तो मर चुका था। हाचिको आखिर इस बात को जानता भी कैसे। वह रात-दिन रेलगाड़ियों को इसी आशा से देखता रहा कि किसी से तो उसका मालिक उतरेगा। और अंत में नौ साल बाद हाचिको के प्राण भी स्टेशन पर इंतजार करते-करते निकल गए। इस कुत्ते को वहां के लोगों ने बहुत प्यार दिया। उसकी मूर्ति भी शिबुया रेलवे स्टेशन पर लगी हुई हैं। लोग आकर इसकी मूर्ति पर फूल चढ़ाते हैं। फोटो खिंचवाते हैं और बहुत-सी यादें अपने साथ ले जाते हैं। इस पर डाग्स स्टोरी नाम से फिल्म भी बनी है जिसमें मशहूर अभिनेता रिचर्ड गेरे और जान एलन ने काम किया था। इस फिल्म को बहुत पसंद किया गया था। यह एकदम से आपके मन के तारों को झनझना देती है।

कुन्नूर, कोझिकोड, केरल में चार महीने से अपने मालिक के इंतजार में बैठे इस देसी नस्ल के कुत्ते को देखकर हाचिको की ही याद आती है। इसके बारे में आसपास के लोग कहते हैं कि शायद इसका मालिक अस्पताल में आया होगा और मृत्यु के बाद उसे शवगृह में कुछ दिन रखने के लिए ले जाया गया होगा। वहां दो दरवाजे हैं। एक अंदर जाने का दूसरा बाहर निकलने का। मालिक का शव दूसरे दरवाजे से बाहर ले जाया गया होगा, जिसके बारे में इस बेचारे को मालूम नहीं है। वह सोचता है कि कभी न कभी तो मालिक शवगृह के अंदर से लौटेगा। जब से इसके बारे में लोगों ने ध्यान दिया है, इसकी देखभाल होने लगी है। पहले तो यह कुछ नहीं खाता था, लेकिन अब बिस्कुट आदि खाने लगा है। खाना खिलाने पर ही खाता है। स्वयं सहायता समूह से जुड़ी एक महिला लगातार इसकी देखभाल करती हैं। लेकिन अपने स्थान से यह और कहीं नहीं जाता। आसपास रहने वाले कुत्तों से मिलता भी नहीं है। कभी-कभार फिजियोथेरैपी विभाग के भी चक्कर लगाता है।

शायद इसने मालिक को वहां भी जाते देखा होगा। इसका क्या नाम है, कहां रहता था, कौन इसका मालिक है, किसी को पता नहीं है। अगर स्थानीय अखबारों में इसके बारे में कुछ छपे, टीवी पर खबर चले तो शायद कुछ पता चल सके। इसके मालिक का कोई रिश्तेदार इसे लेने आ सके। यों इसे चाहकर भी कुछ बताया नहीं जा सकता। आखिर कुछ समझेगा भी कैसे। इस घटना को सुनकर मन भर आता है। आखिर जानवरों की भावनाओं को क्यों हम नहीं समझते। क्यों ध्यान नहीं दे पाते जबकि ये अपना जीवन भी बलिदान कर

देते हैं। अपने मालिक और परिवार को बचाने की कितनी कहानियां हम सुनते-पढ़ते रहते हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि यह देसी नस्ल का कुत्ता है। अपने यहां महानगरों और शहरों में देसी कुत्ते शायद ही कोई पालता है। अक्सर लोगों के घरों में विदेशी नस्ल के कुत्ते ही देखे जाते हैं। इन कुत्तों की कीमत बहुत ज्यादा होती है। भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल बनाने के लिए इनकी देखभाल अधिक करनी होती है। जबकि देसी कुत्ते बेचारे दर-दर भटकने को मजबूर होते हैं जबकि ये भारतीय मौसमों को प्राकृतिक रूप से झेलने लायक होते हैं। इनके खान-पान पर भी अलग से कोई ध्यान नहीं देना पड़ता। जबकि ग्रामीण समाज में ये कुत्ते घरों के अभिन्न अंग रहे हैं। जानवरों की देखभाल, चोरों से बचाने वाले भी माने जाते रहे हैं। लेकिन बदले वक्त ने इन्हें कहीं का नहीं छोड़ा है। बल्कि इनके ऊपर अक्सर यह आरोप लगाता रहता है कि ये लोगों को काटते रहते हैं। इसीलिए बहुत से अभियान इन्हें खत्म करने के लिए चलाए जाते हैं।

दरअसल, कोई देसी कुत्ते क्यों नहीं पालना चाहता, यह बात समझ में नहीं आती। यदि कोई बड़ा आदमी देसी कुत्ता पालता है तो वह खबर बन जाता है जैसे कि मशहूर अभिनेता स्वर्गीय ओम पुरी। उन्होंने मोती नाम से एक देसी कुत्ता पाल रखा था। कई बार इस तरह के अभियान भी चलाए जाते हैं कि विदेशी कुत्तों की जगह देसी कुत्ते ही पाले जाएं। प्रधानमंत्री भी देसी कुत्तों के महत्व को कई बार बता चुके हैं। वे चाहते हैं कि लोग इन कुत्तों को पालें। सेना और पुलिस में भी इन कुत्तों को जगह मिले। शायद अब इन कुत्तों के दिन बदलने वाले हैं।

अब पुलिस की ड्यूटी में रामपुर हाउंड, गद्दी, बखरवाल आदि नस्ल के कुत्ते भर्ती किए जाएंगे। हिमाचली और तिब्बती कुत्तों को भी जगह मिलेगी। जोखिम वाले क्षेत्र जैसे संदिग्धों को पकड़ना, नशीले पदार्थों को सूंघना, विस्फोटों का पता लगाना, गश्त करना आदि काम शामिल हैं। अभी तक विदेशी नस्ल के कुत्तों को ही इसमें शामिल किया जाता था। अभी तक केंद्रीय सशस्त्र बलों में सबसे अधिक चार हजार कुत्ते हैं। सीआरपीएफ में पंद्रह सौ और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड में सौ कुत्ते शामिल हैं। प्रधानमंत्री यह भी कह चुके हैं कि वैज्ञानिक माध्यमों से देसी नस्ल के कुत्तों को सुधारा भी जाए। अगर ऐसा हो जाए तो सचमुच बहुत अच्छा रहेगा।

कायदे से तो प्रचार माध्यमों के जरिए देसी कुत्तों के पक्ष में अभियान भी चलाया जाए, उनके गुण बताए जाएं, उनकी सच्ची कहानियां सुनाई जाएं जिससे कि लोग इन कुत्तों के गुणों से परिचित हो सकें। विदेशी नस्ल के कुत्तों की जगह इन्हें पाल सकें। आखिर पांडवों के पास भी एक देसी नस्ल का कुत्ता ही था, जिसने अंत तक उनका साथ निभाया था। ये बेचारे भी लोगों की हिकारत का शिकार क्यों बनें। सड़कों पर घूमते हुए भूखे मरें, या कोई न कोई विषैली चीज खाएं और यों ही काटने वालों के रूप में बदनाम हों या सरकारी विभागों द्वारा बेमौत मारे जाएं। इन्हें भी जीने का उतना ही अधिकार है जितना कि विदेशी नस्ल के कुत्तों को।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

खनन सुरक्षा सप्ताह में बच्चों ने बनाए पोस्टर्स

दुर्गूकोंदल। ग्राम हाहालद्दी में गोयल ग्रुप की आयरन और माइंस में वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। इसमें देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से आए हुए निरीक्षण दल के सदस्यों ने खदान का जायजा लिया। माइंस प्रबंधन ने आए हुए अतिथियों का भारतीय परंपरा के अनुरूप स्वागत सत्कार किया। आयोजन में ग्राम मेड़ो की शासकीय शाला के बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। बच्चों ने छत्तीसगढ़ महतारी के राजकीय गीत के गान द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की। बच्चों द्वारा सुरक्षा का महत्व समझाने के लिए नाटक की प्रस्तुति दी गई। सेंचुरी सीमेंट से आए शंकर लाल वर्मा ने बच्चों को नकद पुरस्कार देकर उनका मनोबल बढ़ाया। इतना ही नहीं बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर्स आकर्षण का केंद्र रहे। इसका निरीक्षण दल द्वारा प्रथम, द्वितीय व तृतीय के लिए चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। जिन बच्चों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया उन सभी को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में खदान प्रबंधन द्वारा द्वारा खदान के विभिन्न विभागों में कार्यरत बेहतरीन कामगारों को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में अंबुजा सीमेंट के तपन बोस, अल्ट्राटेक के मानस पाणिग्रही, एसीसी सीमेंट के अम्बादास पवार, दुर्गुकोंदल के पूर्व सरपंच श्रीराम बघेल, दुर्गुकोंदल परिवहन संघ के संरक्षक शिवचरण सिन्हा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेडो के प्राचार्य हेमंत श्रीवास्तव, व्याख्याता तृप्ति गजबीये, गोयल ग्रुप के महाप्रबंधक डीके मोहंता, सहायक महाप्रबंधक डी एन मोहंता सहायक माइंस प्रबंधक भोजराज बंजारे, वरिष्ठ प्रबंधक लायजनिंग रवि तिवारी, अतुल जैन, देवमायनिग के सौरभ जैन आदि उपस्थित थे।

बलौदाबाजार में बालसमुंद तट पर पुन्नी मेला आज

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले के पलारी नगर में सोमवार को बालसमुंद तट पर पुन्नी मेला लगेगा। इस मेले से अंचल में लगने वाले मेले की शुरुआत हो जाएगी। दूर-दराज से हजारों की संख्या में लोग पहुंचकर मेले का लुफ्त उठाएंगे। वही पुन्नी स्नान के लिए रविवार रात 12 बजे के बाद श्रद्धालुओं का तांता लग गया। करीब 150 एकड़ में फैले अंचल के सबसे बड़े तालाब में श्रद्धालु पुन्नी स्नान कर दीप दान करेंगे। नगर पंचायत ने मेले में दुकानदारों का जगह चिन्हित कर दिया है। वहीं भीड़भाड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद है। पलारी के बालसमुंद तट पर स्थित 900 ईस्वी में लाल ईंटों से निर्मित अतिप्राचीन भगवान सिद्धेश्वर मंदिर विद्यमान है। मंदिर की विशेषता जानने पर्यटक दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। सिद्धेश्वर मंदिर का अपना एक पौराणिक महत्व है, जो लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है। मंदिर के चारों ओर ईंटों पर ही देवी-देवताओं का चित्र अंकन है, जो मंदिर को दर्शनीय बनाती है। मंदिर के मुख्य द्वार पर भगवान शिव-पार्वती विवाह दर्शनीय है। गंगा यमुना का विहंगम दृश्य है। वहीं शिर्ष भाग पर अर्द्धनारीश्वर का अद्भुत अंकन है, जो स्वत: ध्यान अपनी ओर खींचती है। कला की दृष्टी से यह मंदिर वैश्विक धरोहर सिरपुर के लक्ष्मण मंदिर के समकक्ष है। वही दिन-ब-दिन पलारी के इस सिद्धेश्वर मंदिर की प्रसिद्धि बढ़ती जा रही है। मंदिर की कला कृति अद्भुत है।

छत्तीसगढ़ के 160 असिस्टेंट प्रोफेसर्स को हाईकोर्ट से राहत, 50 प्रतिशत एरियर्स देने का आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के 160 असिस्टेंट प्रोफेसर्स को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने प्रदेश के असिस्टेंट प्रोफेसर्स को नियुक्ति के बाद पे-ग्रेड का लाभ नहीं देने पर राज्य शासन से जवाब मांगा है। कोर्ट ने अंतरिम राहत के तौर पर करीब 160 असिस्टेंट प्रोफेसर्स को 50 प्रतिशत एरियर्स देने का आदेश दिया है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद चंदेल की सिंगल बेंच में चल रही है।

बता दें छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से 878 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती के लिए 20 मई 2019 को आवेदन आमंत्रित किया गया था। लिखित परीक्षा-साक्षात्कार के बाद योग्य और चयनित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रदेश भर के सरकारी कॉलेजों में गई। चयन के समय छत्तीसगढ़ शासन के 30 मार्च 2010 के नियमानुसार सहायक प्राध्यापकों के लिए ग्रेड पे का प्रावधान किया गया था। इसके तहत नियमित सेवा के चार वर्ष बाद पीएचडी उपाधि धारकों को सात हजार ग्रेड पे देने का उल्लेख किया गया है। एमफिल उपाधि धारकों के लिए उक्त अवधि पांच वर्ष और अन्य के लिए छह वर्ष रखी गई है। बताया जा रहा है कि साल 2012 से प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों में पदस्थ करीब 160 सहायक प्राध्यापकों को पे-ग्रेड का लाभ नहीं दिया गया। जिसके खिलाफ उन्होंने अपने वकीलों के माध्यम से हाईकोर्ट में अलग-अलग 16 याचिकाएं दायर की हैं। इसमें बताया गया कि राज्य शासन ने साल 2010 में पे-ग्रेड देने का नियम बनाया था, जिसके तहत याचिकाकर्ता सहायक प्राध्यापकों को इसका लाभ मिलना था, लेकिन उन्हें पे-ग्रेड नहीं मिला। ऐसे में याचिकाकर्ताओं ने एरियर्स के साथ पे-ग्रेड का लाभ देने की मांग की है। याचिकाकर्ता पे-ग्रेड पाने का अधिकार रखते हैं या नहीं।

इस पर राज्य शासन के अधिवक्ता की सहमति जताई, जिस पर जस्टिस चंदेल ने राज्य शासन को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। इसके साथ ही अंतरिम राहत के तौर पर याचिकाकर्ताओं को 50त्न एरियर्स देने का आदेश दिया है।

सहायक प्राध्यापकों को न तो प्रमोशन और न ही समयमान वेतनमान

याचिकाकर्ता सहायक प्राध्यापकों ने अपनी याचिका में यह भी बताया है कि उच्च शिक्षा विभाग शासन का ऐसा विभाग है, जहां दूसरे सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों की तरह उन्हें प्रमोशन दिया जा रहा है और न ही समयमान वेतनमान का लाभ दिया जा रहा है। नियम के साथ ही बाध्यता न होने के कारण सैकड़ों की संख्या में सहायक प्राध्यापक उसी पद पर चयनित होकर रिटायर हो रहे हैं। उन्हें पदोन्नति का लाभ नहीं तक मिल पा रहा है। जबकि, याचिकाकर्ताओं ने इस सबंध में विभाग के अफसरों के समक्ष कई बार मांग पत्र भी दिया है। जिसके बाद भी विभाग कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने जारी की नोटिफिकेशन, 242 पदों पर निकाली भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने परंपरा के अनुसार राज्य सेवा परीक्षा का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। पीएससी ने इस बार सीट बढ़ाई है और 242 पदों पर भर्ती निकाली गई है. इसमें डिप्टी कलेक्टर,जेल अधीक्षक,राज्य वित्त सेवा अधिकारी जैसे 17 अलग अलग विभाग के पद शामिल हैं। 11 फरवरी 2024 को प्रीलिम्स का एग्जाम आयोजित किया जाएगा. इसके बाद मुख्य परीक्षा की संभावित तारीख भी जारी की गई है।

इसके अनुसार अगले वर्ष 13,14,15,16 जून को मुख्य परीक्षा होंगे। छत्तीसगढ़ में संविधान दिवस के दिन हर बार पीएससी राज्य सेवा परीक्षा के लिए वेकेंसी जारी करती है। चुनावी आचार संहिता के बाद भी वेकेंसी जारी किया गया है। इसके लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. इसकी तारीख भी

पीएससी ने जारी की है। प्रारंभिक परीक्षा के लिए 1 दिसंबर की दोपहर 12 बजे से 30 दिसंबर की रात 11.59 बजे तक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए श्चह्यष्.ष्द्द. द्दश1.द्बठ्ठ की साइट पर जाना होगा। पीएससी के नोटिफिकेशन के अनुसार डिप्टी कलेक्टर के 8 पद हैं। छत्तीसगढ़ राज्य वित्त सेवा अधिकारी के 6 पद, सहायक संचालक के 3 पद,जिला आबकारी अधिकारी के 11, महिला और बाल विकास विभाग के सहायक संचालक और जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के 6, वाणिज्य कर विभाग के जिला पंजीयक 1, राज्य कर सहायक आयुक्त के 6, अधीक्षक जिला जेल के 6, आदिम जाति और अनुसूचित जाति विकास विभाग के सहायक संचालक के10, सहकारिता विभाग के सहायक पंजीयक के 14, जिला सेनानी के 11, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जनपद पंचायत) के 10, बाल विकास परियोजना अधिकारी के 7, छत्तीसगढ़ अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी के 23, नायब तहसीलदार के 42,राज्य कर निरीक्षक के 34 और सहकारिता निरीक्षक और सहकारिता विस्तार अधिकारी के 44 पदों पर पीएससी ने वेकेंसी जारी किया है। पीएससी ने राज्य सेवा परीक्षा के 242 पोस्ट पर वेकेंसी जारी किया है। इसमें 94 पोस्ट अनारक्षित है। 35 अनुसूचित जाति और 83 अनुसूचित जनजाति के लिए है. वहीं अति पिछड़ा वर्ग के लिए 30 आरक्षित है।

संविधान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर डॉ बी आर अंबेडकर अधिकार मंच के द्वारा घड़ी चौक स्थित प्रतिमा के समक्ष डॉ बी आर अंबेडकर की प्रतिमा में माल्यार्पण करते हुए संविधान दिवस मनाया गया और संविधान की रक्षा करने का संकल्प लिया गया।

इस अवसर पर उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता श्री फैसल रिजवी और भारतीय बौद्ध महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बीएस जागृत की नेतृत्व में सैकड़ो लोगों को संविधान की किताब बांटी गई। किताबें मिलने के बाद छात्र छात्राएं के चेहरे खिल उठे।

इस अवसर पर अंबेडकर अधिकार मंच के अध्यक्ष भगवानू नायक ने शासन से संविधान को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग करते हुए कहा भारत का संविधान देश का आधार है, संविधान के कारण आज भारत विश्व में महाशक्ति बनकर उभर रहा है, संविधान ने हमें अनेक अधिकार दिए संविधान के कारण वंचितों को असली आज़ादी मिली है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आशीष तांडी ने कहा संविधान हमारी ताकत है, जो समाज में सैकड़ो वर्षों से दबे कुचले, पिछड़े लोगों को समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया और वंचितों को अपने पैरों में खड़ा करने का काम किया।

प्रथम क्षेत्रीय टैक्स कॉन्क्लेव का आयोजन, नए करों व संशोधित नियमों पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रथम क्षेत्रीय टैक्स कॉन्क्लेव का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (पश्चिमी क्षेत्र) द्वारा भिलाई चैप्टर ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स के सहयोग से किया गया । यह भव्य कार्यक्रम 26 नवंबर को भिलाई निवास एमपी हॉल, सिविक सेंटर, भिलाई में आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर भिलाई स्टील प्लांट के प्रभारी निदेशक अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, भिलाई स्टील प्लांट के ईडी (एफएंडए) डॉ. एके पांडा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने जीएसटी, विदेश व्यापार नीति, प्रत्यक्ष करों में नए व संशोधित नियमों और अन्य कराधान क्षेत्रों के विभिन्न पहलुओं पर तत्काल कार्यक्रम चर्चा और मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सीएमए अमित सरकार द्वारा जीएसटी के हालिया चरणो, रुझानों के साथ-साथ जीएसटी पर अवसरों या उसके बाद की तुलना पर लिए गए पूर्ण सत्र के साथ हुई, यह कार्यक्रम आईटीसी के विषय पर क़ानूनी सत्र के साथ जारी था। जिसमें 16(4) और 17(5) जैसे महत्वपूर्ण खंड पर वक्ता सीएमए श्री सतीश तवानिया और सीएमए श्री राहुल चिंचोलकर, सलाहकारों का प्रतिनिधित्व करते हुए और जीएसटी विभाग में अधीक्षक एम राजीव द्वारा गहन चर्चा की गई।

जीएसटी के वार्षिक रिटर्न पर दोपहर के सत्र को वक्ता सीएमए दीपक जोशी और सीएमए वंदित त्रिवेदी ने कवर किया। कार्यक्रम का अंतिम सत्र में विदेश व्यापार नीति और वक्ता सीएमए अमित सरकार थे, अंतिम सत्र में धारा 142 (2ए) के तहत इन्वेंटरी वैल्यूएशन, जो कॉस्ट अकाउंटेंट के लिए नया अभ्यास क्षेत्र है सत्र का सबसे अहम् विषय था, और इसका संचालन ङ्खद्बक्रष्ट अध्यक्ष ष्टरू चैतन्य मोहर्रिर के साथ नीरज जोशी ने किया था।

कार्यक्रम में सीएमए चैतन्य मोहर्रिर, अध्यक्ष पश्चिमी भारत क्षेत्रीय भी उपस्थित थे। काउंसिल, सीएमए अरिंदम गोस्वामी, उपाध्यक्ष और संयोजक, सीएमए मिहिर व्यास, माननीय सचिव, सीएमए डीएन करण चेयरमैन आईसीएमएआई-भिलाई चैप्टर और सह-संयोजक, सीसीएम, सीएमए नीरज जोशी, सीएमए अमित आप्टे, पूर्व पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष सहित अन्य मौजूद रहे।

अयप्पा स्वामी के दर्शन के लिए तीर्थ यात्रियों का जत्था शबरीमाला रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। केरल स्थित विश्व प्रसिद्ध शबरीमाला मंदिर में भगवान अयप्पा के दर्शन करने शनिवार को तालपुरी बी ब्लॉक सहित भिलाई के विभिन्न स्थानों से श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुआ।

इनमें से ज्यादातर सदस्य 41 दिनों से कठिन व्रत भी रख रहे हैं। सहकरण शबरीमाला यात्रा संघ के तत्वावधान में स्वामियों शरणमय्यप्पा के जयकारे के बीच निकाली गई, यात्रा की शुरुआत तालपुरी स्थित शिव मंदिर और हनुमान मंदिर में तड़के माथा टेक कर की गई। यात्रा 1 दिसंबर को समाप्त होगी। शबरीमाला यात्रा का यह 17वां वर्ष है। संघ में फिलहाल 53 सदस्य हैं।

यात्रा को अंतिम रूप देने सेक्टर-2 अयप्पा मंदिर हॉल में बैठक भी हुई। सहकरण संघ के अध्यक्ष प्रदीप मेनन, जी विजय कुमार ने बताया कि काले वस्त्र पहने हुए स्वामी इरुमुड़ी (जिसमें शुद्ध घी से भरा नारियल, श्रीफल एवं पूजा सामग्री होती है) को शिरोधार्य करके नंगे पैर ही मंदिर की पंच धातुओं से निर्मित 18 पवित्र सीढ़ियां चढ़कर भगवान अयप्पा के दर्शन करेंगे। इसी तरह सेक्टर-10 व अन्य स्थानों से जुटे दूसरी दल के श्रद्धालुओं ने सेक्टर-5 गणेश मंदिर, सेक्टर-4 शिव मंदिर और सेक्टर-2 अयप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना कर शबरीमाला की पवित्र यात्रा शुरू की।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

पंजाबी सनातन सभा के युवक-युवती सम्मेलन में 200 प्रतिभागी हुए शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ पंजाबी सनातन सभा द्वारा जोरा स्थित पंजाब केसरी भवन में रविवार को युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें 200 युवक-युवतियों ने भाग लिया। सभा के प्रवक्ता जवाहर खन्ना ने बताया कि रांची, कटक, बालाघाट और नागपुर से भी प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया।

सभा के कार्यकर्ताओं ने दोनों पक्षों की आपस में बातचीत कराई और जरूरत पड़ने पर सहयोग भी किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पंजाबी महासंघ के अध्यक्ष नरेश सेठ, रांची पंजाबी समाज के अध्यक्ष सुधीर उग्गल, नागपुर पंजाबी समाज के अध्यक्ष प्राणनाथ साहनी के अलावा भोपाल, जबलपुर, पुणे के प्रतिनिधि शामिल हुए।

विधानसभा अध्यक्ष ने दी गुरु नानक जयंती व कार्तिक पूर्णिमा की शुभकामनायें

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने गुरु नानक देव की जयंती एवं कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशवासियों को दी बधाई शुभकामनाएं। डॉ. महंत ने कहा कि गुरू नानक देव जी सिख धर्म के संस्थापक और सिखों के पहले गुरू थे। उनका जीवन और शिक्षाएं न केवल धर्म विशेष के लिए बल्कि पूरी मानव जाति को सही दिशा दिखाती है। इसलिए उनके जन्म दिवस को प्रकाश पर्व के नाम से जाना जाता है। गुरू नानक देव जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा के दिन 1469 ई. में हुआ था। गुरू नानक देव ने मूर्ति पूजा का विरोध करते हुए, एक निराकार ईश्वर की उपासना का संदेश दिया था। उन्होंने तात्कालिक समाज की बुराईयों और कुरीतियों को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक पूर्णिमा के दिन पवित्र नदी में स्नान करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिल जाती है। मान्यता है कि इस दिन स्वर्ग से देवतागण भी आकर गंगा में स्नान करते हैं। इसलिए कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान जरूर करना चाहिए। कार्तिक पूर्णिमा के दिन हर व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य अनुसार दान करना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार, इस दिन फल, अनाज, वस्त्र और गुड़ आदि चीजों का दान किया जा सकता है। शास्त्रों में पूर्णिमा तिथि मां लक्ष्मी को समर्पित मानी जाती है। वास्तव में कार्तिक मास की पूर्णिमा मनुष्य के अंदर छुपी बुराईयों को, नकारात्मकता को, अहंकार, काम, क्रोध, लोभ और मोह को दूर करने में सहायता करती है और जीवन में सकारात्मकता प्रसन्नता और पवित्रता का संचार करती है ।

6 सौ साल पुराने पुन्नी मेले की कहानीः बेटा होने पर कलचुरी राजा ने बनवाया था हटकेश्वर मंदिर, तभी से लग रहा मेला

रायपुर। रायपुर के महादेव घाट पर पुन्नी मेले की शुरुआत हो गई है। ये मेला करीब 6 सौ साल पुराना है। मेले का इतिहास यहां बने हटकेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ा है। दरअसल हैहयवंशी (कलचुरी) राजा ने पुत्र रत्न की प्राप्ति के बाद हटकेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया था तभी से मेले का आयोजन लगातार किया जा रहा है ।

कार्तिक पूर्णिमा यानी 27 से 29 नवंबर तक ये मेला चलेगा। कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र खारुन नदी में आस्था की डुबकी लगाई। पुण्य स्नान के बाद लोगों ने भगवान हटकेश्वरनाथ के दर्शन किए। शाम को लोग मेले का आनंद लेते हैं।

द्वापर युग में द्वारकी था खारुन नदी का नाम

खारुन नदी के किनारे स्थित हटकेश्वर महादेव मंदिर के घाट पर हर त्योहार में श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है। गीता के पांचवे स्कंद के 16वें-17वें श्लोक में हटकेश्वरनाथ का उल्लेख है। हाटक का अर्थ होता है सोना। एक मान्यता ये भी है कि हजारों साल पहले मंदिर के किनारे सोने की बहुतायत थी, जो समय के साथ लुप्त हो चुकी है।

वर्तमान में जो नदी है, उसे द्वापर युग में द्वारकी नदी के नाम से जाना जाता था। कहा जाता है कि कालांतर में महाकौशल प्रदेश के राजा ब्रह्मदेव ने इसका नामकरण खारुन नदी कर दिया।

कलचुरी राजा ने बेटा होने पर बनवाया था मंदिर

मंदिर के पुजारी सुरेश गिरि गोस्वामी ने बताया कि कलचुरी राजा ब्रह्मदेव के समय से पुन्नी मेले का आयोजन किया जा रहा है। राजा का कोई बेटा नहीं था, इसलिए उन्होंने पुत्र रत्न की कामना के लिए भगवान शिव की पूजा की। इसके बाद बेटा हुआ तो 6 महीने में मंदिर का निर्माण करवाया।

6 सौ सालों से लग रहा है मेला

रायपुर के महादेवघाट में पुन्नी मेले की शुरुआत, पुष्कर में कार्तिक पूर्णिमा के दौरान लगने वाले मेले की तर्ज पर हुई। ये परंपरा पिछले करीब 6 सौ सालों से जारी है। महादेव घाट में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।

मंदिर के निर्माण को लेकर इतिहासकार एकराय नहीं

हालांकि मंदिर के निर्माण को लेकर इतिहासकार एकराय नहीं हैं। महादेवघाट मंदिर का निर्माण सन् 1402 में राजा ब्रम्हदेव के करवाने का जिक्र है। कहा जाता है कि कलचुरी शासक रामचंद्र के बेटे ब्रह्मदेव राय ने अपने शासनकाल के दौरान हाजीराज नाइक से सन् 1402 में हटकेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण कराया था। वहीं, ये मान्यता भी है कि ब्रह्मदेव नाम के एक और राजा 750 ईस्वी में हुए थे, जिन्होंने खारुन नदी के तट पर बस्ती बसाई थी।

इतिहासकार रमेंद्र नाथ मिश्रा का कहना है कि कलचुरी राजा हाजराज ने 1402 में मंदिर बनवाया था। तभी से रायपुर में पुन्नी मेले का आयोजन हो रहा है। पहले मेले का स्वरूप व्यापक था, लेकिन समय के साथ इसका दायरा सिमटता गया। अब हालत ये है कि बहुत सारी जमीन अवैध कब्जे में चली गई है। महादेव घाट में कार्तिक पूर्णिमा और माघ पूर्णिमा में यानी साल में दो बार मेला लगता है।

कार्तिक पूर्णिमा में लगने वाले मेले में दूर-दूर से लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर बैल गाड़ी में अपने परिवार के साथ आते थे। आज भी लोग मेले का आनंद बड़े चाव से उठाते हैं। बाजार में भले ही सभी चीजें आसानी से मिल जाती हों लेकिन मेले में मिलने वाली चीजों का अलग ही मजा है।

प्रवर प्रवीण ऋषि ने रायपुर वासियों को सिखाया जीवन जीने का नया तरीका

रायपुर। इस वर्ष का चातुर्मास 2 जुलाई से शुरू हुआ और इसका समापन आज 27 नवंबर को होगा। लालगंगा पटवा भवन में 5 महीनों तक भक्ति की गंगा बहती रही, और रायपुर वासियों ने इस गंगा में जमकर डुबकी लगाई। उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि की पावन निश्रा में ये 5 महीने कैसे बीते पता ही नहीं चला। इस वर्ष का चातुर्मास रायपुर नगरी और रायपुर श्रमण संघ के लिए ऐतिहासिक रहा। इस चातुर्मास में ऐसे अनूठे आयोजन हुए, जो शायद ही कभी हो पाएंगे। 5 महीनों में एक से बढ़कर एक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमे सकल जैन समाज शामिल हुआ। रायपुर के अलावा देशभर-विदेश के श्रावकों ने लालगंगा पटवा भवन में उपाध्याय प्रवर के प्रवचनों का लाभ लिया। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी।

उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने इन 5 महीनों में रायपुर वासियों को जीवन को जीने का एक नया तरीका सीखा दिया। उनके प्रवचन, उनकी आराधना और उनकी वाणी में ऐसा जादू है कि जिसने उनको सुना, वह उनका होकर रह गया।

चातुर्मास शुरू होने से इसके समापन तक एक से बढ़कर एक कार्यक्रम आयोजित हुए। चाहे आनंद जन्मोत्सव हो या 1008 अट्ठाई, अंतगढ़ सूत्र हो या उत्तराध्ययन श्रुतदेव आराधना, सभी कार्यक्रम ऐतिहासिक रहे। इस दौरान महावीर गाथा में श्रावकों ने महावीर कैसे महावीर बने और पुच्छिंसुणं (वीर स्तुति) आराधना के जरिए महावीर क्यों महावीर हैं जाना। उपाध्याय प्रवर के मुखारविंद से इन कथाओं को सुनते सुनते श्रावक भी महावीर से जुड़ते चले गए।

रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने बताया कि चातुर्मास के समापन अवसर पर रविवार को कृतज्ञता दिवस मनाया गया। उपाध्याय प्रवर ने रायपुर वासियों के प्रति कृत्यग्यता ज्ञापित की। इसके बाद 5 माह के कार्यक्रम में सहयोगी समितियों का बहुमान किया गया। उन्होंने बताया कि सोमवार प्रातः 7.15 बजे प्रार्थना होगी, इसके बाद उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि विहार करेंगे। ललित पटवा ने कहा कि यह उपाध्याय प्रवर का आशीर्वाद था कि जो कार्यक्रम हमने आयोजित किये वे बेहद सफल हुए। कुछ कार्यक्रम तो ऐसे रहे जो पहले कभी नहीं हुए, और अगर हुए भी थे तो इस स्तर पर नहीं हुए था। राष्ट्रसंत आचार्य आनंदऋषि मासा के 124वें जन्मोत्सव पर 16 से 18 अगस्त तक आनंद जन्मोत्सव मनाया गया। इस दौरान पहली बार एक साथ 1008 अट्ठाई हुई। इसमें रायपुर के अलावा विदेश में बसे जैन परिवारों ने भी अट्ठाई की थी। 1008 अट्ठाई का लक्ष्य था, लेकिन 1050 से ज्यादा अट्ठाई हुई थी। ऐसे ही रायपुर में पहली बार 1008 नवकार तीर्थ कलश अनुष्ठान का आयोजन किया गया, जिसमे देश-विदेश से भी लोग शामिल हुए।

गुरु घासीदास जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम 16 से, समाज के कई संगठनों की हुई बैठक

रायपुर। गुरु घासीदास की 267 वीं जयंती पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 16 दिसंबर से किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर सतनामी समाज के विभिन्न प्रमुख संगठनों की संयुक्त बैठक रविवार को न्यू राजेंद्रनगर स्थित मिनीमाता स्मृति भवन में हुई। आयोजन समिति की संरक्षक शकुन डहरिया ने बताया कि 16 दिसंबर को आमापारा से पंथी व आकर्षक झांकियों के साथ गुरु घासीदास की शोभायात्रा निकाली जाएगी।

17 दिसंबर को न्यू राजेंद्र नगर में महिलाओं, बच्चों व युवतियों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ विविध प्रतियोगिताएं होंगी। 18 दिसम्बर को जयंती के दिन जैतखाम में ध्वजारोहण कर पंथी नृत्य, साहित्यिक संगोष्ठी व अलंकरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। प्रवक्ता चेतन चंदेल ने बताया कि इस बैठक के बाद दीपावली मिलन व संविधान दिवस का कार्यक्रम हुआ। इस दौरान समाज के लोगों ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए संविधान के उद्देश्यों का सामूहिक वाचन किया। बैठक में समिति के अध्यक्ष केपी खण्डे, डॉ. जे आर सोनी, एमडी माहिलकर, सुंदरलाल लहरे, एसके सोनवानी, सुंदरलाल जोगी, एचएल रात्रे, द्रौपदी जोशी, लक्ष्मी लहरे, रेनू कोसले आदि उपस्थित थे।

हम अपनी संस्कृति खो रहे हैं और पश्चिम के लोग उसे खोज रहे हैंः आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री

अध्यात्म पथ एवं संस्कार भजन माला पुस्तक का हुआ विमोचन

रायपुर। रविवार को महर्षि दयानंद निर्वाण दिवस मनाया गया। दिल्ली से आए आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति महान संस्कृति है। जो संस्कृति हमारे पास है उसे हम खो रहे हैं और पश्चिम के लोग उसे खोज रहे हैं। हमारी परंपरा में ज्ञान विज्ञान के अनेक सूत्र बिखरे पड़े हैं। महर्षि दयानंद सरस्वती ने उसी को दुनिया के सामने रखा। महर्षि दयानंद ने हम सबको सच्चा मार्ग दिखाया। महर्षि दयानंद सरस्वती पाखंड अंधविश्वास और जातिवाद के विरोधी थे।

वहीं आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती सनातन धर्म की संरक्षक थे। वेद सत्य विद्याओं का पुस्तक है। साधु संतों के संग बैठने से जीवन का प्रकाश मिलता है। वेद ने मिलकर चलने मिलकर बैठने का संदेश दिया है वेद मानवता का पाठ पढ़ाते हैं।कार्यक्रम का संचालन राकेश दुबे भारत स्वाभिमान ने किया। नरेश झारिया एवं राजेंद्र अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

आचार्य चंद्रशेखर शास्त्री ने कहा कि लक्ष्मी का अर्थ है जो लक्ष्य की प्राप्ति करने में सहायक हो उसे लक्ष्मी कहा जाता है। जीवन को शिकायत से नहीं शुक्रिया से भरिए। जिसके जीवन में शिकायत अधिक भरी है वह जीवन का आनंद नहीं ले सकते। एक बार मैंने छिपकली से पूछा तो दीवाल पर क्यों चिपकी हुई है। छिपकली ने मुझे जवाब दिया की आचार्य अगर मैं दीवार को नहीं पकडूँगी तो दीवार गिर जाएगी। हमें इस बात पर हंसी आती है लेकिन सच्चाई है हमने स्वयं को करता मान लिया है हम मानने लगे हैं कि यह दुनिया हम चला रहे हैं। सच्चाई यह है कि दुनिया ईश्वर के इशारे पर नाच रही है। हम सब कठपुतली हैं। अच्छा करोगे तो अच्छा मिलेगा। संसार को अच्छा बनाइए परिवार को अच्छा बनाइए बच्चों को अच्छा बनाइए यही जीवन यही सफलता का सारांश है। मैं जब कनाडा में

था मैंने 108 कुंडीय महायज्ञ कराया। विदेश के लोग हमारी संस्कृति के लिए तरस रहे हैं। हमें जो संस्कृति सहज रूप से प्राप्त है उसे हम जीना नहीं चाहते। में दावे के साथ कहता हूं कि जो हमारे पास है उसे हम खो रहे हैं और पश्चिम के लोग उसे खोज रहे हैं। अपनी संस्कृति को अपने बच्चों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी हमारी है। एक बार सभा की समाप्ति के पश्चात मैंने कहां प्रेम से बोलो भगवान राम की जय एक माता थी वह नहीं बोली। मैंने सोचा शायद यह राम को नहीं मानती होगी खाटू श्याम को मानती होगी कृष्ण को मानती होगी मैं दोबारा भी कहा प्रेम से बोलो योगीराज कृष्ण की जय। मैंने देखा कि उसने प्रेम से कुछ बोला ही नहीं। उसके बाद वह मुझे प्रणाम करने आई कुछ दान दक्षिणा दी। मैंने उससे पूछ लिया की माता जब मैंने कहा कि प्रेम से बोलो तो आपने कोई जगह घोष नहीं लगाया कारण क्या है। उस माता ने कहा कि मैं प्रेम से नहीं बोलती। प्रेम से मेरा झगड़ा हो गया है। बाद में पता चला की प्रेम उसके पति का नाम है। कुछ लोग प्रेम से नहीं बोलते जीवन की यही सबसे बड़ी समस्या है। वैदिक शास्त्र कहते हैं प्रेम से बोलो मीठा बोलो जीवन की सारी समस्या खत्म हो जाएगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ पूर्णेन्दु सक्सैना ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने महर्षि दयानंद को हिंदू समाज का उद्धारक कहा है।

कार्यक्रम के अंत में अध्यात्म पद पत्रिका एवं संस्कार भजन माला पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में नियमित यज्ञ करने वालों को भी सम्मानित किया गया। राजेंद्र अग्रवाल, संजू शर्मा, राम शर्मा, संजय शर्मा, नवीन शर्मा, राजेंद्र अग्निहोत्री, शिवम गुप्ता, प्रताप पोपटानी, हलधर भोजराज साहू आदि को यज्ञ करने के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में स्वाति पेंढ़ारकर ने सुमधुर भजन प्रस्तुत करके समां बांधा। छत्तीसगढ़ प्रांतीय और प्रतिनिधि सभा के प्रतिनिधि रामनिवास गुप्ता, अवनी भूषण, पुरंग एवं जगबंधु शास्त्री तथा जयपाल हबलानी, जयप्रकाश मसंद, मनमोहन सिंह सैलानी, प्रेम प्रकाश गोटिया, प्रताप भाई पोपटानी, छविराम साहू भारत स्वाभिमान, भोजराज साहू भारत स्वाभिमान, गंगा प्रसाद कसडोल पतंजलि योग समिति, राजेंद्र अग्निहोत्री, संजीव पोद्दार, विनोद जायसवाल, नवीन यदु, नरेश झारिया सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

शाहरुख खान की दिवानी हैं उर्वशी ढोलकिया, कहा- मैं उनसे प्यार करती हूं

कसौटी जिंदगी की में अपने किरदार कोमोलिका से मशहूर एक्ट्रेस उर्वशी ढोलकिया शाहरुख खान की बहुत बड़ी फैन हैं। उन्होंने सुपरस्टार के साथ एक करीबी मुलाकात के किस्से को शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने झलक दिखला जा में शाहरुख खान के गाने पर परफॉर्म करने का फैसला क्यों किया। इस वीकेंड सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो की थीम चार्टबस्टर का ब्लॉकबस्टर होगी।

सितारे क्लासिक ट्यून से लेकर लेटेस्ट चार्ट-टॉपर्स तक, बॉलीवुड गानों पर परफॉर्मे करेंगे। इस कड़ी में उर्वशी ने अपने कोरियोग्राफर वैभव घुगे के साथ फिल्म परदेस के आइकोनिक ट्रैक दो दिल मिल रहे हैं पर परफॉर्म किया।

1997 के रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा परदेस में शाहरुख और महिमा चौधरी मुख्य भूमिका में हैं।

उर्वशी ने अपने परफॉर्मेंस के बारे में बात करते हुए कहा, मैं हमेशा से शाहरुख खान की फैन रही हूं। शाहरुख से ज्यादा खूबसूरती से प्यार को कोई नहीं समझा सकता। यह एक्ट पूरी तरह से प्यार के बारे में था और मेरे लिए, डांस एक ऐसी चीज है, जिसे मैं व्यक्त कर सकती हूं। बस, उन्हें देखो और तुम उनके दीवाने हो जाओगे। लोग उन्हें किंग ऑफ रोमांस कहते हैं, लेकिन मैं उन्हें किंग ऑफ लव कहती हूं।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अच्छी तरह याद है कि मैंने उनकी क्रिकेट टीम के लिए एक ऐड किया था। वह बहुत मजेदार था। उन्होंने मुझे यह कहते हुए फोन किया कि हम चाहते हैं कि आप यह ऐड करें, और मैंने यह सोचकर कॉल काट दिया कि कोई मेरे साथ मजाक कर रहा है, क्योंकि मेरे आस-पास हर कोई जानता है कि मैं एक शाहरुख की कितनी बड़ी फैन हूं। मैं उनसे प्यार करती हूं। उन्होंने मुझे दोबारा फोन किया और कहा कि वह सीरियस हैं और मुझे डबिंग के लिए आने के लिए कहा। जब तक मैं सेट पर पहुंची, तो मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि मैं उनके लिए विज्ञापन कर रही हूं। झलक दिखला जा सोनी पर प्रसारित होता है।

बोल्ड फोटोशूट में मौनी रॉय ने चलाया हुस्न का जादू, कालिताना अदाओं से किया वार

मौनी रॉय अपने किलर लुक्स की वजह से हर दिन फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच ही लेती हैं। एक्ट्रेस की अदाओं पर आज देशभर के लोग दीवाने रहते हैं। ऐसे में मौनी की झलक के लिए चाहने वाले बेताब हो जाते हैं। यही कारण है कि इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स की लिस्ट भी काफी लंबी हो चुकी है। वहीं, मौनी भी अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए हर दिन एक नया लुक शेयर कर देती हैं। अब फिर से उन्होंने अपने ग्लैमरस लुक से इंटरनेट का पारा हाई किया है।

लेटेस्ट फोटोशूट के लिए एक्ट्रेस ने सिल्वर सीक्वेंस वाली शॉर्ट स्कर्ट और व्हाइट शर्ट कैरी की है। बोल्डनेस दिखाने के लिए मौनी ने शर्ट के बटन ओपन रखे हैं।

एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस ने यहां बालों की पोनीटेल बनाई हुई है। इस लुक में मौनी बेहद हॉट और अट्रैक्टिव दिख रही हैं।

अब मौनी के चाहने वालों के बीच उनका ये नया लुक भी बेहद पसंद किया जा रहा है। कुछ ही देर में उनकी तस्वीरों पर हजारों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ते ही जा रहे हैं। फैंस ने मौनी की अदाओं पर प्यार लुटाते हुए खूब कमेंट्स किए हैं।

दूसरी ओर मौनी के वर्क फ्रंट की बात करें तो काफी समय से एक्ट्रेस द वर्जिन ट्री टाइटल से बन रही फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस के साथ संजय दत्त और पलक तिवारी भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा जल्द ही मौनी सुल्तान ऑफ दिल्ली टाइटल से बन रही वेब सीरीज में भी दिखेंगी। कुछ ही समय पहले उन्होंने अपनी इस सीरीज का ऐलान किया है।

आयशा संग बनी आयुष शर्मा की जोड़ी, म्यूजिक वीडियो में मचाएंगे धमाल

बॉलीवुड अभिनेता आयुष शर्मा पिछले कुछ समय से अपनी आने वाली फिल्म रुस्लान को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल 12 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।अब खबर है कि आयुष ने अपनी आगामी परियोजना के लिए नेहा शर्मा की बहन आयशा शर्मा के साथ हाथ मिलाया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो होगा, जिसकी शूटिंग जल्द इटली में शुरू की जाएगी।

बेंचमार्क एंटरटेनमेंट के निर्माता सैंडिल डैंग ने कहा, आयुष और आयशा की जोड़ी जादुई है। वो दोनों कुछ अनोखा लेकर आएंगे। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह परियोजना एक बड़ी सफलता होगी। आयशा एक जानी-मानी अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2018 में आई फिल्म सत्यमेव जयते के जरिए की थी। इसके अलावा वह कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं, जिसमें इक वारी, कुड़ियां लाहौर दियां और रंगरेज शामिल हैं।

आयुष ने साल 2018 में आई फिल्म लवयात्री के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। इसके बाद आयुष अंतिम में नजर आए थे, जिसमें उनकी भिड़ंत सलमान खान के साथ हुई थी। आने वाले दिनों में आयुष रुस्लान में दिखाई देंगे, जिसका निर्देशन कात्यायन शिवपुरी ने किया है। फिल्म में जगपति बाबू और विद्या मालवदे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद 12वीं फेल ने बनाया नया रिकॉर्ड, ऑस्कर पहुंची विक्रांत मैसी की फिल्म

विक्रांत मैसी स्टारर फिल्म 12वीं फेल बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचा रही है। फिल्म 27 अक्टूबर को थिएटर्स में रिलीज हुई थी और अब रिलीज के 29 दिन बाद भी फिल्म अच्छी कमाई कर रही है। अब बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद 12वीं ने नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है।

बता दें कि विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल को 96वें ऑस्कर्स अवॉर्ड्स के लिए भेजा गया है। विक्रांत मैसी की 12वीं फेल इस साल की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली बॉलीवुड फिल्म में से एक रही है। विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित फिल्म से जुड़ी ये अच्छी खबर सामने आई है। विक्रांत मैसी इस समय अपनी हालिया रिलीज 12वीं फेल को मिली शानदार रिस्पॉन्स का आनंद ले रहे हैं। विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही है। विक्रांत ने हाल ही में शेयर किया है कि फिल्म 12वीं फेल को आगामी अकादमी अवॉर्ड यानी 96वें ऑस्कर्स अवॉर्ड्स के लिए भेजा गया है।

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल ने वर्ल्डवाइड 53 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। सिर्फ इंडिया में फिल्म ने 42। 6 करोड़ की शानदारी कमाई की है। फिल्म ने रिलीज होने के 4 हफ्ते के बाद भी अच्छा काम कर रही है। फिल्म को लेकर दर्शकों की दीवानगी भी देखने को मिल रही है।

पिछले महीने, ये बताया गया था कि विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल 2024 में ऑस्कर के लिए भेजने की तैयारी कर रहे है। एक इंटरव्यू में विक्रांत मैसी ने खुलासा किया कि फिल्म को ऑस्कर के लिए भेजा गया है।

एक्टर ने खुलासा किया कि उन्होंने अभिनय तब शुरू किया जब वह सिर्फ 15 साल के थे। बता दें कि विक्रांत ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की और इसके बाद एक्टर ने फिल्मों में कदम रखा।

रणबीर कपूर के लिए सबसे बड़ी ओपेनिंग फिल्म साबित हो सकती है एनिमल! एडवांस बुकिंग शुरू

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर एनिमल को लेकर दर्शकों में काफी क्रेज नजर आ रहा है। फिल्म 1 दिसंबर को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार है। दर्शक फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धांसू कलेक्शन करने वाली है।

एनिमल की रिलीज से 6 दिन पहले ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन की एडवांस बुकिंग में 1 लाख 11 हजार 317 टिकट बेच लिए हैं और 3.4 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एनिमल पहले दिन 50 करोड़ रुपए का कारोबार कर सकती है। अगर ऐसा होता है तो एनिमल रणबीर कपूर की के करियर की सबसे बड़ी ओपेनिंग साबित हो सकती है।

बता दें कि रणबीर कपूर इससे पहले श्रद्धा कपूर के साथ फिल्म तू झूठी मैं मक्कार में दिखाई दिए थे। उनकी फिल्म ने 15.73 करोड़ रुपए की ओपेनिंग की थी। इससे पहले वे आलिया भट्ट के साथ ब्रह्मास्त्र में दिखाई दिए थे जिसने पहले दिन 43 करोड़ का बिजनेस किया था। रणबीर कपूर की सबसे ज्यादा ओपेनिंग करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड अब तक ब्रह्मास्त्र के ही नाम है।

एनिमल को संदीप रेड्डी वांगा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना लीड रोल्स में नजर आए हैं। वहीं अनिल कपूर और बॉबी देओल भी फिल्म का हिस्सा है। एनिमल का ट्रेलर रिलीज हो चुका है जिससे लगता है कि फिल्म बाप-बेटे के रिश्ते की एक दिलचस्प कहानी है।

इस तरह खाते हैं शहद तो तुरंत बंद कर दें वरना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

शहद में सेहत का खजाना होता है। इसके सेवन से कई तरह की समस्याएं दूर हो सकती हैं। आयुर्वेद में भी इसके महत्व को बताया गया है। शहद के सेवन से संपूर्ण शरीर को फायदा मिलता है। मधुमक्खी के छत्ते से निकाला गया ताजा शहद वेट लॉस के लिए फायदेमंद होता है। वहीं, पुराना शहद फैट को काटने का काम करता है। इससे कफ की समस्या भी दूर होती है। कुछ लोग किसी तरह से शहद का सेवन करते हैं, जो हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं शहद को किस तरह से इस्तेमाल करना चाहिए।

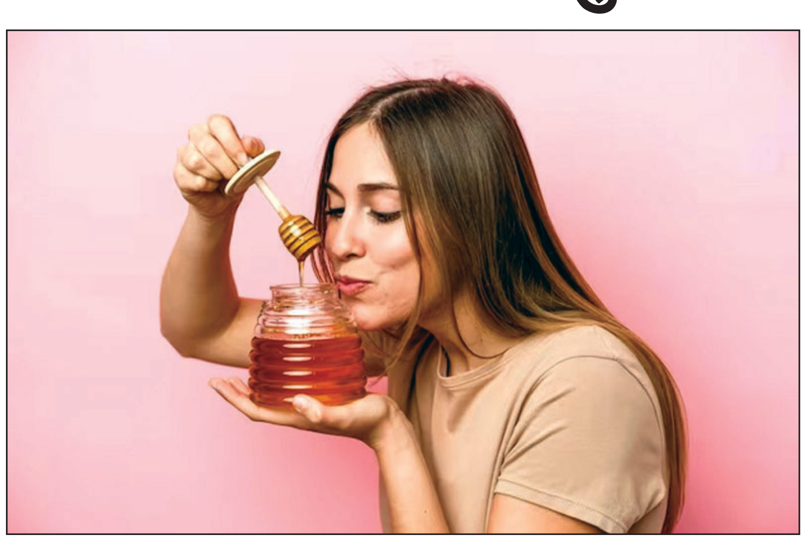

आयुर्वेद में शहद

आयुर्वेद में शहद को योगवाही भी कहा जाता है, जो सबसे गहरे ऊतकों में प्रवेश कर सकता है। इसमें कई तरह के औषधीय गुण पाए जाते हैं। जो शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। आयुर्वेदिक ऋषि चरक ने 5 हजार साल पहले ही शहद के गुणों के बारें में बता दिया था। इसके इस्तेमाल पर उन्होंने विस्तार से लिखा है। शहद को कई मायनों में सेहत के लिए अमृत की तरह बताया गया है।

शहद का इस्तेमाल कैसे नहीं करना चाहिए

- शहद को कभी भी गर्म भोजन या पानी में मिलाकर सेवन नहीं करना चाहिए।
- गर्म वातावरण में काम करने वालों को शहद का सेवन नहीं करना चाहिए।
- कभी भी शहद को घी के साथ या गर्म, मसालेदार भोजन के साथ मिलाने से बचना चाहिए।
- व्हिस्की, रम, ब्रांडी या सरसों के साथ कभी भी शहद मिलाकर सेवन नहीं करना चाहिए।
- शहद को गर्म पानी में मिलाकर कभी भी सेवन नहीं करना चाहिए। इसके कई गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

शहद खाने सही तरीका क्या है

- वजन कम करना है तो एक गिलास गुनगुना पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर सेवन करना चाहिए।
- सर्दी, खांसी, साइनसाइटिस या इम्यून सिस्टम बढ़ाने के लिए शहद, हल्दी और काली मिर्च एक-एक चम्मच मिलाकर सेवन करना चाहिए।

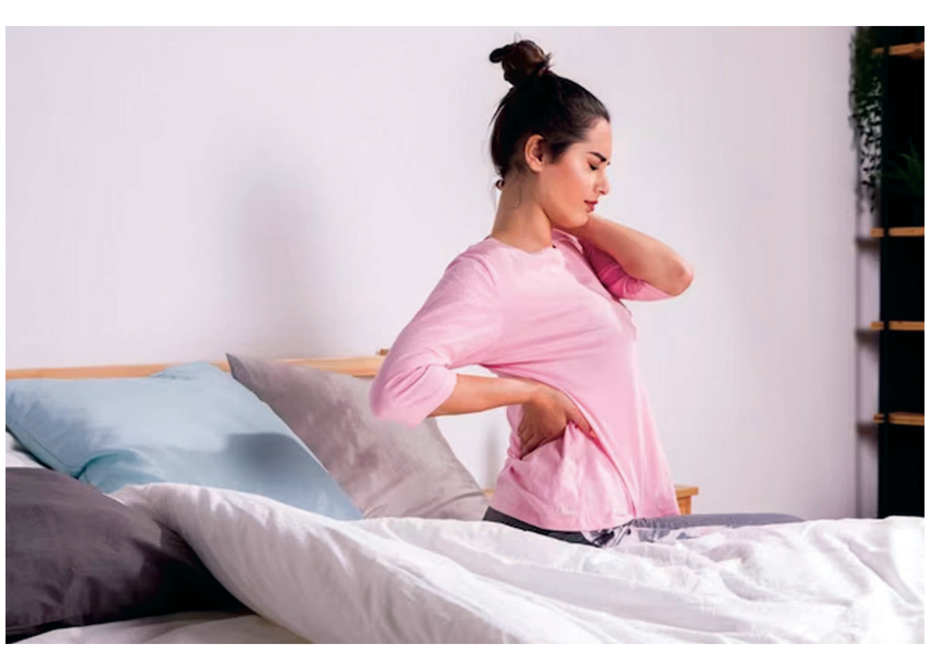

सुबह उठते ही घबराहट, थकान, शरीर में है दर्द तो नजरअंदाज न करें, हो सकती है ये बड़ी वजह

कभी-कभी सुबह उठते ही शरीर में दर्द, थकान, घबराहट जैसी समस्याओं का हम सामना करते हैं। लगातार अगर ऐसा परेशानी हो रही है तो इसका सबसे बड़ा कारण शरीर में कुछ न कुछ पोषक तत्वों की कमी है। शरीर को उसकी जरूरत के हिसाब से पोषक तत्व न मिल पाने से ऐसी परेशानियां होती है। ऐसे में आप भी अगर इन समस्यों से परेशान हैं तो आइए जानते है कि शरीर को किन पोषक तत्वों की ज्यादा जरूरत है और इसकी कमी को पूरा करने के लिए अपने डाइट में आपको क्या शामिल करना चाहिए।

कैल्शियम की कमी

कई बार हमें अचानक चक्कर आना, थकान महसूस होना, मांसपेशियों में ऐंठन या घबराहट जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। ऐसा अक्सर शरीर में कैल्शियम की कमी के कारण होता है।कैल्शियम हड्डियों और दांतों के लिए बहुत जरूरी मिनरल है। इसकी कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और मांसपेशियों में समस्याएं शुरू हो जाती हैं। चक्कर आना, थकान और अन्य लक्षण इसी कमी का संकेत हैं। ऐसे में कैल्शियम से भरपूर पदार्थ जैसे दूध, दही, पनीर, सेंधा नमक का सेवन बढ़ाना चाहिए। सही मात्रा में कैल्शियम के खाने से इन समस्याओं से निजात मिल सकती है।

फाइबर की कमी

शरीर में फाइबर की कमी एक आम समस्या है जो कई स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का कारण बनती है। फाइबर की कमी से हमें अक्सर थकान और चक्कर आना आदि होता है। फाइबर की कमी के कारण होने वाली समस्याओं से बचने के लिए हमें अपने डाइट में फाइबर युक्त चीजें जैसे - सब्जियां, फल, साबुत अनाज और दालें खानी चाहिए। फाइबर हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है।

आयरन की कमी

शरीर में आयरन की कमी एक आम समस्या है, जिसके कारण कई तरह के लक्षण दिखाई देते हैं। आयरन की कमी से सुबह उठने के बाद हमें बार-बार थकान महसूस होती है। साथ ही सिरदर्द, चक्कर आना, धुंधला या डबल दिखाई देना आदि लक्षण भी देखने को मिलते हैं।ऐसे में अपने आहार में स्पिनेच, पालक, बीन्स, अंडे जैसे आयरन से भरपूर फूड्स को शामिल करना चाहिए। तभी थकान और चक्कर से राहत मिल पाएगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

संविधान दिवस पर मुंबई आतंकवादी हमले के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

नारायणपुर। जिला मुख्यालय में कलेक्टोरेट के सामने स्थित अंबेडकर पार्क में रविवार को संविधान दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से हजारों की संख्या में नागरिक व ग्रामीण पहुंचे और संविधान दिवस के साक्षी बने। सर्वप्रथम भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान की लिखित प्रारूप पर पुष्प अर्पित और अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में संविधान दिवस पर एकता और समरसता का परिचय देते हुए नगर के मुख्य मार्गों से होकर बाइक रैली निकाली गई जो वापस अंबेडकर पार्क में समाप्त हुई। रैली उपरांत प्रमुख वक्तावों ने संविधान की विशेषता पर सभा को अपना उद्बोधन देते हुए संविधान निर्माता का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में नागरिकों ने संविधान की नीति नियमों के अनुसार चलते हुए देश सेवा की शपथ ली। इस अवसर पर सुधीर बौद्ध, सर्व आदिवासी समाज संरक्षक सदाराम ठाकुर, सर्व आदिवासी युवा प्रभाग अध्यक्ष वासुदेव भारद्वाज, गोंडवाना समाज युवा प्रभाग अध्यक्ष सुकमन कचलाम, फूलसिंह कचलाम, मनोज बागड़े, सनातन मेरसा, उमेश रावत, हुमन साहू, एमके रंगारी, चुमन बेलसरिया, एचपी जोशी, मंगलू उसेंडी, जागेश्वर उसेंडी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

3 दिसंबर को काउंटिंग की व्यवस्था में जुटा प्रशासन ईवीएम का रैंडमाइजेशन

कांकेर। विधानसभा चुनाव 2023 के तहत 3 दिसंबर को वोटों की गिनती की जाएगी। इसी कड़ी में सभी 727 मतदान केंद्रों में हुई वोटिंग के बाद मतगणना के पहले रविवार को ईवीएम मशीनों का रैंडमाइजेशन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला की मौजूदगी में की गई। कलेक्टोरेट सभाकक्ष में दोपहर 12.30 बजे रैंडमाइजेशन हुआ। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अशोक मारबल ने बताया कि ईवीएम में दर्ज मतों की गणना के लिए जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र अंतागढ़, भानुप्रतापपुर और कांकेर के लिए 14-14 सुपरवाइजर और इतने ही गणना सहायक होंगे, जबकि 6-6 रिजर्व अधिकारी रहेंगे। इसी तरह डाक मतपत्र, पोस्टल बैलेट के लिए 9 टेबल पर 9 सुपरवाइजर और 18 गणना सहायक नियुक्त किए गए हैं। इसके लिए रिजर्व में 3 सुपरवाइजर और 6 गणना सहायक का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि गणना टेबल पर 42 और पोस्टल बैलेट टेबल हेतु 9 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा क्रमशः 8 और 3 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रिजर्व के तौर पर तैनात किए गए हैं। यानी जरूरत पड़ने पर मतगणना कार्यों के लिए उनसे काम लिया जाएगी।

छात्रों को ड्रिप सिंचाई की दी जानकारी

कांकेर। रामप्रसाद पोटाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कांकेर के चतुर्थ वर्ष के छात्रों को ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के एग्रो इंडस्ट्रियल विषय के अंतर्गत पुसवाड़ा में किसानों के खेतों में लगे ड्रिप सिंचाई प्रणाली तथा सब्जी उत्पादन का भ्रमण कराया। सबसे पहले सभी छात्र मैसर्स रोहन एग्रोटेक लट्टीपारा पहुंचे। यहां ड्रिप सिंचाई विशेषज्ञ मनोज साहू और इंजीनियर थानेश्वर सिन्हा ने ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई तकनीक में उपयोग होने वाले उपकरणों को उनके उपयोग के अनुसार जानकारी दी। अनेक साइज के इनलाइन लैटरल पाइप, ऑन लाइन एमिटर, प्रेशर कॉम्पैंसेटिंग ड्रीप लाइन के बारे में बताया। इसमें पानी के अशुद्धि रेत के कण आदि को साफ करने के लिए सैंड सेपरेटर और हाइड्रो साइक्लोन सेपेरेटर, ग्रेवल फ़िल्टर, स्क्रीन फिल्टर, डिस्क फिल्टर की जानकारी दी। चंद्रशेखर साहू नेटाफिम ड्रिप स्प्रिंकलर सिस्टम डीलर ने ड्रिप सिस्टम लगाने के पूर्व खेत की तैयारी उसके फसल की देखरेख और सिस्टम के रखरखाव के बारे में बताया। फसल के कतार के बीच उचित दूरी रखनी चाहिए, जिससे पौधों को सूर्य प्रकाश तथा पौध विकास की पर्याप्त जगह मिल सके। ड्रिप को उपयोग करने से पूर्व बाईपास खोल कर 5 मिनट पानी को चलाकर उसमें उपस्थित भौतिक अशुद्धता जैसे रेत, कंकड़ आदि हट सके। ग्राम पुसवाड़ा के प्रगतिशील किसानों चंद्रशेखर साहू, घनश्याम पटेल, भूपेश्वर साहू के फील्ड में ड्रिप सिंचाई प्रणाली को जीवित रूप में देखा। जहां वे इसके माध्यम से टमाटर, मिर्ची, बैंगन, कद्दू, करेला, फुलगोभी की उन्नत खेती वृहद रूप में करते आ रहे हैं और व्यापारिक स्तर पर सब्जियों की खेती के द्वारा मुनाफा कमा रहे हैं।

शिवनाथ तट मोहरा पर जलाए गए 30 हजार दीए

भगवान शिव की हुई महाआरती, हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ की जीवनदायनी शिवनाथ नदी के तट पर 30 हजार दीप जलाकर पुन्नी मेला का शुभारंभ किया गया।

राजनांदगांव जिले के मोहरा में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर रानी सागर पथ पर भव्य दीपोत्सव मनाया गया। भगवान शनि मंदिर के संस्थापक राकेश ठाकुर ने बताया कि पुन्नी मेला के अवसर पर मां शिवनाथ तट पर मोहरा में शिवनाथ नदी तट समिति और नागरिकों की उपस्थिति में आरती का आयोजन किया गया। शिवगंगा महाआरती के अवसर पर सभी भक्त एकत्रित होकर आरती में शामिल हुए और मां का आशीर्वाद लिया।

मां के जयकारे लगाते हुए भक्त आनंदित हो रहे थे। पूरा नदी तट प्रकाश की जगमग रोशनी से खिल उठी। इसमें सामाजिक संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपना योगदान दिया। दीपक के प्रकाश से ऊर्जा निकलकर समाज को उन्नति का एक नई दिशा प्रदान करती है।यहां मोहरा तट पर पुन्नी का मेला बहुत प्रसिद्ध है।

जहां पर दूर-दूर से व्यापारी अपने साजों सामान के साथ आकर विभिन्न प्रकार के खाद्य सामग्री मनिहारी मिठाई की दुकान लगाते हैं। बच्चों की खेलने के लिए झूला और मनोरंजन के साधन यहां लगे हुए हैं।

कैम्प में कैडेटों ने मनाया 75वां एनसीसी दिवस साथ ही रायपुर में किया घुड़सवारी का शानदार प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। 1 छ ग घुड़सवार रेजिमेंट एनसीसी अंजोरा दुर्ग द्वारा संचालित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर/प्री-आर डी सी-1 के तीसरे दिन कैडेटों ने कैंप में 75वें एनसीसी दिवस के अवसर पर 1 छ ग आर एंड वी रेजीमेंट अंजोरा दुर्ग की घुड़सवार यूनिट के कैडेट्स ने अपने कमान अधिकारी कर्नल तुषार उपासनी के निर्देशन में रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में शानदार घुड़सवारी का प्रदर्शन किया।

उक्त कार्यक्रम में विजय, विजेता, रुस्तम और फरिश्ता नाम के घोड़े के साथ क्रमशः सीनियर अंडर ऑफिसर त्रिभुवन, सार्जेंट टीकम, सार्जेंट भुनेश्वरी और सार्जेंट अभिषेक ने एक अच्छा प्रदर्शन किया। उक्त कार्यक्रम में लेफ्टिनेंट राजकुमार गडपायले, सूबेदार योगेंद्र यादव, एसडीएम सुबीर मजूमदार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

साथ ही कैंप में कैडेटों ने शिवनाथ नदी दुर्ग के किनारे पुनीत सागर अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया और अपने आस पास के नदी तालाबों को स्वच्छ रखने का संदेश लोगों को दिया। उक्त कार्यक्रम के संचालन में लेफ्टिनेंट पंकज पटेल, एम जोशी चेरियन, पूनम सोंधी, रजनीश, निधी साहू, विकास पाटिल, हरि मुंडे एवं समस्त अधिकारी कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन कैंप कमांडेंट कर्नल तुषार उपासनी के कुशल मार्गदर्शन में हुआ।

अपर कलेक्टर राजीव पाण्डेय ने किया मतगणना प्रशिक्षण का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में ईवीएम से मतगणना हेतु सुपरवाईजर, मतगणना सहायक, माईक्रो आब्जर्वर का प्रशिक्षण दो पालियों में शास.नटवर इंग्लिश स्कूल में आयोजित किया गया। जिसका आज अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी राजीव कुमार पाण्डेय ने नटवर इंग्लिश मीडियम स्कूल पहुंच मतगणना प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर एस.के.कंवर, डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा, तहसीलदार, नायब तहसीलदार उपस्थित रहें।

प्रशिक्षण में उन्होंने माइक्रो ऑब्जर्वर, मतगणना सहायक, सुपरवाइजरों को ईवीएम से मतगणना संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना के दौरान बरते जानी वाली आवश्यक सावधानियों से अवगत करवाते हुए प्रश्नोत्तर के माध्यम उनके शंकाओं का समाधान भी किया। उन्होंने कहा कि आगामी 2 दिसम्बर को विधानसभा वार लगने वाली ड्यूटी की जानकारी दी जायेगी। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय ने सभी प्रशिक्षण कक्ष का निरीक्षण किया एवं सभी अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। संविधान दिवस के अवसर पर प्रशिक्षण के दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन श्री पाण्डेय द्वारा कराया गया। श्री पाण्डेय ने बताया कि मतगणना अधिकारियों का द्वितीय प्रशिक्षण 2 दिसंबर 2023 को दोपहर 12 बजे से नटवर स्कूल में होगा, जिसमें विधानसभा वार एवं दलवार प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर राजेश डेनियल ने आज के प्रशिक्षण में ईवीएम मशीन से मतगणना, मशीनों को राउंड वार लाने, सीलिंग परीक्षण की जानकारी मतगणना अभिकर्ता को देना, बॉक्स से मशीन को निकाल कर परिणाम बटन के माध्यम से परिणाम को अभ्यर्थी वार मतों का अभ्यर्थी वार दर्ज करना तथा रिटर्निंग ऑफिसर के माध्यम से टेबुलेशन के लिए भेजे जाने जैसे विभिन्न प्रक्रियाओं का प्रशिक्षण में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। मास्टर ट्रेनर डॉ.नरेंद्र पर्वत, भुनेश्वर पटेल, आनंद द्विवेदी, एल.एस पटेल, विकास सिन्हा, मालिक राम भारद्वाज, कृष्णा विश्वास,विजय गुप्ता, राजेश मिश्रा ने कक्ष वार प्रशिक्षण दिया।

40 अरब डॉलर की होगी भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था

केन्द्रीय मंत्री ने कहा-जल्द आएगा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था साल 2040 तक करीब 40 अरब डॉलर की हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह दावा किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ विदेशी एजेंसियों ने तो भारत की स्पेस इकॉनोमी के 2040 तक 100 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि स्पेस इकॉनोमी बढने के बाद वैज्ञानिकों को भी काम का बढ़िया माहौल मिलेगा।

ऐसे बढ़ेगी इसरो की कमाई

इसरो के रॉकेट लॉन्च की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी हमारी स्पेस इकॉनोमी बहुत प्रभावी नहीं है और यह सिर्फ 80 लाख डॉलर पर टिकी है। लेकिन जल्द ही बड़ा बदलाव आने वाला है और विदेशी सैटेलाइट्स को लॉन्च करने से ही हमें करीब ढाई करोड़ यूरो और अमेरिकी सैटेलाइट्स लॉन्च करके 1.7-1.8 करोड़ डॉलर की कमाई हो सकती है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि 70 प्रतिशत से अधिक हमारे अंतरिक्ष के संसाधन गैर सरकारी क्षेत्र से आते हैं। उन्होंने माना कि भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के पास अभी संसाधनों की कमी है लेकिन जल्द ही ये कमी दूर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि चांद पर इंसान भले ही अन्य देशों ने पहुंचाया लेकिन चांद पर पानी का पता हमने लगाया।

नासा और इसरो में बढ़ेगा सहयोग

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रशासक बिल नेल्सन जल्द ही भारत का दौरा करेंगे। साथ ही वह यूएई का भी दौरा करेंगे। बिल नेल्सन का भारत दौरा सोमवार से शुरू होगा। नेल्सन, भारत में इसरो अधिकारियों से मुलाकात करेंगे, जिसमें इनोवेशन और रिसर्च संबंधी द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर बातचीत होगी। बता दें कि भारत और अमेरिका क्रिटिकल और इमर्जिंग तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहे हैं और इसरो और नासा का सहयोग भी इसी के तहत बढ़ रहा है।

मलेरिया के लिए सरकार चला रही खास अभियान, घर-घर जाकर कर रही इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का नौवां चरण 28 नवंबर से 18 दिसंबर तक चलाया जाएगा। जिसके संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मचारियों की बैठक खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में रखी गई। इस दौरान बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम गीदम ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों व इलाकों में घर-घर पहुंचकर सभी लोगों की मलेरिया की जांच करेगी। पॉजिटिव पाए गए लोगों को दवाई खिलाकर मलेरिया का इलाज शुरू किया जायेगा तथा दवाई खिलाने के बाद दवा कर रेंपर वापस करेंगे।

गौरतलब है कि मलेरिया के मामलों को निम्नतम स्तर तक ले जाकर पूर्ण मलेरिया मुक्त राज्य के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रदेश में लगातार यह अभियान चलाया जा रहा है। खण्ड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी गीदम डॉ गौतम कुमार ने बताया कि मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत मलेरिया की जांच और इलाज के साथ ही इससे बचाव के लिए जन-जागरूकता संबंधी गतिविधियां भी चलाई जाएंगी। इस दौरान लोगों को रोज मच्छरदानी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। घर के आसपास स्वच्छता बनाए रखने और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय भी बताए।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत गीदम ब्लॉक में 58 टीमों का गठन किया गया है इन टीमों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता के साथ मितानिनों को रखा गया है और प्रत्येक घर में जाकर सभी लोगों की मलेरिया की जांच आरडी किट के माध्यम से की जा रही है और पॉजिटिव पाए जाने पर उनका स्लाइड बनाया जायेगा। उसके बाद भी पॉजिटिव पाए जाने पर उन्हें उचित दवाई दी जाएगी। दवाई खिलाने के बाद पुनः स्लाइड बना कर उनकी जांच की जाएगी। इस दौरान खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ गौतम कुमार, बीपीएम जेम्स वेक, बी ई टी ओ, समस्त सेक्टर सुपरवाइजर, एलएचवी, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक, सीएचओ एवं विभाग के अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

कोदवा व कोयालरी कला में गौरा-गौरी का विवाह कर निकाली विसर्जन यात्रा

दामापुर। ग्राम कोदवा और कोयालरी कला में ग्रामीणों ने शुक्रवार को गौरा-गौरी का विवाह रचाया। एक दिन पहले गांव के लोगों ने मिट्टी लाई। फिर उसी रात को दो अलग-अलग घरों में ईशर राजा और गौरी माता को स्वरूप दिया। रात में बाजे-गाजे के साथ गोंडी संस्कृति में अपनी वेशभूषा में बारात में शामिल हुए। सभी घर से कलश निकाला गया। गौरा चौरा में विधि- विधान से ग्रामीणों ने पूजा-अर्चना की। गौरा चौरा को विशेष सजावट की गई थी। दूसरे दिन शुक्रवार को विसर्जन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर...

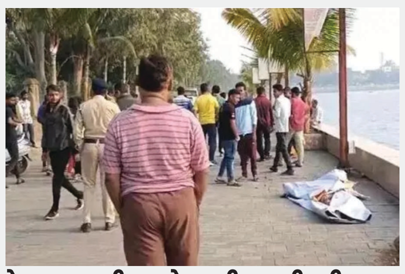

देहरादून की रहने वाली युवती की तेलीबांधा तालाब में मिली लाश, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर के मरीन ड्राइव तालाब में एक युवती की लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना की सूचना मिलने ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाया। मृतका की पहचान उसके भाई ने की है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का मामला बताया है। फिलहाल पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

आशंका है कि शनिवार देर रात को युवती ने तेलीबांधा तालाब में कूदकर जान दी है। इसके बाद मरीन ड्राइव में मॉर्निंग वॉक करने पहुंचे लोगों ने युवती की लाश देखी। वहां मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी तेलीबांधा पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जांच के बाद ही खुलासा हो पाएगा कि यह हत्या है या फिर आत्महत्या।

मृतका की पहचान उसके भाई ने की है। उसका नाम दीक्षा चौहान है, जो 29 साल की थी। वो मूलत:उत्तराखंड के देहरादून की रहने वाली थी। दीक्षा साल 2021 से रायपुर के एम्स अस्पताल में नर्सिंग स्टाप के रूप में सेवाएं दे रही थी। वो रायपुर के टाटीबंध इलाके में किराए के मकान में रह रही थी। तेलीबांधा थाना प्रभारी फैजूल शाह ने बताया कि आज रविवार सुबह सात बजे मॉर्निंग वाक कर रहे लोगों ने मरीन ड्राइव तालाब में एक युवती की पानी में तैरती हुई लाश देखी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचकर पेट्रोलिंग पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव का बाहर निकलवाया।

रायगढ़ में महिला और बच्चे की हत्याः पैरावट में मिली अधजली लाश, जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़। रायगढ़ जिले में एक महिला और बच्चे की हत्या कर जलाने का मामला सामने आया है। जूटमिल थाना क्षेत्र के ग्राम नेतनागर में पैरा में आग लगी थी। जिसे बुझाने पर ग्रामीणों को दोनों की लाश मिली। डबल मर्डर से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है।

बताया जा रहा है कि इन दोनों की हत्या कहीं और की गई है। उसके बाद कार में लादकर नेतनागर गांव के एक बाड़ी में लाया गया, जहां पैरे में रखकर आग लगा दी गई। आग को बुझाने पर महिला और बच्चे की अधजली लाश बरामद हुई।

स्थानीय निवासी सतपाल बग्गा का कहना है कि ढाई बजे घटना की सूचना मिली कि दो लोगों को किसी ने पैरा में डालकर आग लगा दिया है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। गांव से कोई भी लापता नहीं है। इसलिए किसी दूसरी जगह से यहां आया होगा। घटना स्थल पर कार के टायर के निशान मिले हैं।

दोनों शव की नहीं हुई पहचान

एसपी सदानंद कुमार का कहना है कि नेतनागर के हाइवे से लगे एक बाड़ी में आग लगी थी। गांव वाले उसे बुझाने के लिए पहुंचे तो दो शव दिखे। जिसकी सूचना पर जूटमिल पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। एफएसएल की टीम ने भी मामले की जांच की। पंचनामा के बाद महिला और बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। अभी उनकी पहचान नहीं हुई है।

महिला के सिर पर चोट के निशान

आसपास के थानों में सूचना दी गई है कि जो भी लापता हो उसकी सूचना दी जाए। जिससे उनकी पहचान हो सके। एसपी कहना है कि महिला से सिर पर चोट के निशान मिले हैं। इसलिए शुरुआती जांच में हत्या का मामला लग रहा है। पुलिस को आशंका है कि हत्या दूसरे जगह की गई है, फिर शव को यहां लगाकर जला दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बलौदाबाजार में सड़क हादसे में 2 की मौत, सेमरिया में हाईवा ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर

बलौदाबाजार (ए)। बलौदाबाजार जिले के ग्राम सेमरिया में सड़क हादसे में नई हाईवा ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनकी इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। हादसा विधानसभा थाना क्षेत्र में हुआ है। पावनी निवासी बंटी और लक्ष्मण के रूप में दोनों की पहचान हुई है।

जानकारी के अनुसार, रायपुर-बलौदाबाजार मार्ग पर दो बाइक सवार युवक सोमवार सुबह 10 बजे रायपुर से पावनी (बलौदाबाजार) अपने गांव की ओर जा रहे थे। वहीं हाईवा बलौदाबाजार से रायपुर की ओर जा रही थी। तभी सॉन्ग साइड से आ रही हाईवा ने दोनों को

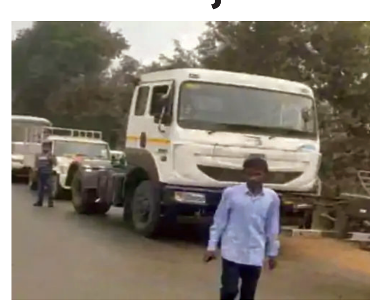

रौंद दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि करीब 8 नई हाऊवा कतार में शो रूम के लिए जा रही थी, उसी में एक हाईवा से बाइक सवार युवकों की भिडंत हो गई। इससे दोनों युवक बीच सड़क पर गिर गए। वहीं बाइक दूर तक घसीटते हुए सामने से आ रही एक कार से टकरा गई।

इस संबध में थाना प्रभारी दीपक पासवान का कहना है कि पुलिस को हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर तत्काल युवकों को अस्पताल भिजवाया गया। इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया है। मृतक बंटी और लक्ष्मण पावनी के रहने वाले थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पत्नी की हत्या कर 8 घंटे तक शव के पास बैठा रहा पति

धमतरी (ए)। धमतरी जिले में पति ने बिस्तर पर सो रही पत्नी की गर्दन पर टंगिया से वार कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति देव सिंह कुंजाम करीब 8 घंटे तक लाश के पास ही बैठे रहा। पड़ोसियों की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो भागने लगा। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

घटना केरेगांव थाना क्षेत्र के पथर्रापारा कमार डेरा स्थित बाजार कुर्रीडीह की है। जब पुलिस वालों ने पति देव सिंह से पूछताछ में पत्नी की, तो उसने कोई जवाब नहीं

दिया। पड़ोसियों ने बताया कि आरोपी का मानसिक स्थिति बीच-बीच में बिगड़ जाता था। पुलिस को आशंका है कि इसी वजह से उसने हत्या की है। बताया जा रहा है कि 35 वर्षीय देव सिंह कुंजाम रविवार सुबह करीब 5 बजे सोकर उठा। उस समय उसकी पत्नी धनेश्वरी कुंजाम (30 वर्ष) बिस्तर पर सो रही थी। देवसिंह अचानक घर में रखी टंगिया उठाया और अपनी पत्नी के गले पर हमला कर दिया। गंभीर चोट की वजह से धनेश्वरी की मौके पर मौत हो गई।

घटना की जानकारी पड़ोसियों ने केरेगांव पुलिस को रविवार दोपहर करीब 1.30 बजे दी। थाना प्रभारी प्रदीप सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे, तो लाश के पास बैठा देवसिंह भागने की कोशिश नहीं की। उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस ने पंचनामा के बाद जिला अस्पताल में शव का पोस्टमर्टम करवाया।

आरोपी को रिमांड पर भेजा गया

केरेगांव थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि देवसिंह कुंजाम ने अपनी पत्नी धनेश्वरी की टंगिया मारकर हत्या कर दी है। आरोपी को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

लड़की एक प्रेमी दोः एक आशिक ने कर दी दूसरे आशिक की हत्या, खेत में दफनाई लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में हत्या का खौफनाक मामला सामने आया है। त्रिकोणीय प्रेम संबंध के कारण एक आशिक से दूसरे आशिक की हत्या कर दी। हत्या के बाद लाश को खेत में दफना दिया। पुलिस ने दफन लाश को बाहर निकालकर पीएम कराया और घटना के दो सप्ताह बाद पुलिस ने इस मामले का खुलासा किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पूरा मामला फरसाबहार थाने के अंबाकछार गांव का है।

मिली जानकारी के अनुसार अम्बाकछार निवासी शुकरू राम थाना पहुंचकर बताया कि उसका बेटा प्रीत कुमार 12 नवंबर की शाम को अपनी मां से 100 रुपए दोस्त के पास गया था। इसके बाद वह नहीं लौटा। मोबाइल पर कॉल करने पर वह भी बंद बता रहा है। इसके बाद से ही वे अपने बेटे की तलाश कर रहे हैं। इस बीच प्रीत कुमार की गर्लफ्रेंड ने सरस्वती उर्फ रुचि निवासी पंडरीपानी ने घर पहुंचकर बताया कि त्रिलोकी पहरा के खेत में किसी को दफनाया गया है जो प्रीत कुमार हो सकता है। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को निकलवाकर जांच कराई गई।

ब्रेशलेट ,कपड़ा व जूते से हुई पहचान

शव के अत्यधिक सड़ जाने से ब्रेशलेट, कपड़ा, जुता व चेहरे के आधार पर प्रार्थी शकरू राम ने उक्त शव की पहचान अपने गुम पुत्र प्रीत कुमार के रूप में की। जिसका

शराब पिलाकर टंगिया से काट दिया गला

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 12 नवंबर को वह सुबह मैं त्रिलोक पहरा के खेत की ओर लकड़ी लेने गया वहीं तालाब के पास बैठकर प्रीत कुमार की हत्या का प्लान बनाया। इसके लिए उसने टांगिया को तालाब के पास छिंद के पेड़ में छिपा दिया। इसके बाद उसने प्लान के अनुसार प्रीत कुमार को फोन कर शराब पीने के बहाने तालाब के पास बुलाया फिर दोनों ने शराब पी। प्रीत कुमार के नशे में होने पर झाड़ी में छुपाकर रखे टंगिया से प्रीतकुमार के गर्दन में वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद प्रीतकुमार के शव को वहां से 15-20 मीटर दूर खेत में छिपा दिया। इसके बाद अपनी प्रेमिका के घर जाकर फावड़ा लाया और शव को दफना दिया। शव दफनाने के बाद टंगिया तालाब में और मृतक की मोटरसाइकिल व मोबाइल को पहरानाला में गहरे पानी फेंक दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त टंगिया, फावड़ा, मृतक की मोटर साइकिल बरामद कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

आधा गर्दन कटा हुआ था व सर के पीछे की ओर चोट के निशान थे, जिसका डॉक्टर द्वारा पोस्टमार्टम कराने पर डॉक्टर द्वारा मृतक की मृत्यु हत्यात्मक प्रकृति का लेख करने पर थाना फरसाबहार में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 302,201 भादवी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच विवेचना में लिया गया।

त्रिकोणीय प्रेम के कारण रंजिश

जांच दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर रूपेश उर्फ शुभम पिता सुखनाथ राम (20) निवासी तपकरा खड़िया टोली को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना गुनाह कबूल करते हुए बताया कि वह पंडरी पानी मे एक लड़की के घर में रहकर भोला सेट के यहां मजदूरी का काम करता था। लड़की के घर में रहने के दौरान मेरा उसे लड़की से प्रेम संबंध हो गया था। उक्त लड़की का अंबा कक्षा निवासी प्रीत कुमार से भी प्रेम संबंध था जो अक्सर रुचि के घर में आकर रूकता था। जिसके कारण मैं बहुत परेशान रहता था व प्रीत कुमार से आपसी रंजिश रखता था।

पति और सास-ससुर पर एफआईआर दर्जः दहेज कम लाने और कार की मांग को लेकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर पत्नी को किया प्रताड़ित

सरगुजा। अंबिकापुर की एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवती को शादी के बाद दहेज के लिए प्रताड़ित करने पर महिला थाना पुलिस ने पति और सास-ससुर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। युवती का पति भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। दहेज कम लाने और कार की मांग को लेकर ससुराल में प्रताड़ित किया जा रहा था।

मिली जानकारी के मुताबिक, नगर के नमनाकला निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर मेघा शर्मा (25 वर्ष) का विवाह 22 जून 2022 में अमृतसर पंजाब निवासी अभिनव शर्मा के साथ हुआ था। मेघा शर्मा ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि अंबिकापुर के होटल में रिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया था। जिसमें मेघा शर्मा के पिता अनिल शर्मा ने करीब तीन लाख रुपये का भुगतान किया था। विवाह के पूर्व तिलक समारोह में पिता ने 51 हजार रुपये नगद राशि दिया था।

अंबिकापुर में आयोजित विवाह समारोह का खर्च करीब 25 लाख रुपये आया था। जिसे उसके पिता ने ही पूरा भुगतान किया था। विवाह के बाद मेघा ससुराल चली गई। शादी के कुछ दिन बाद ही मेघा के पति, ससुर और सास ने उसे काली कहकर प्रताड़ित किया। वहीं दहेज में कार की मांग की जाने लगी। पति ने भी गोवा टूर के दौरान उससे मारपीट की और पैसों की मांग की।

काउंसलिंग के बाद हुई एफआईआर

मेघा शर्मा अपने पति और सास-ससुर की प्रताड़ना से परेशान होकर अपने मायके आ गई। उसने मई 2023 में दहेज प्रताड़ना की शिकायत महिला थाने में दर्ज कराई। महिला थाने में दोनों पक्षों को काउंसलिंग के लिए बुलाया गया।

काउंसलर ने एक माह के अंदर पति को अपनी पत्नी को मायके से वापस ले जाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी उसे वापस नहीं ले जाया गया। पुलिस ने पति अभिनव शर्मा, ससुर दीपक शर्मा और सास नोनिता शर्मा के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

गुरुनानक देव जी ने ही सत्कर्म का मार्ग दिखाया था-सरोज पाण्डेय

दुर्ग। राज्य सभा सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ0 सुश्री सरोज पाण्डेय ने आज सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव साहेब जी की जयंती के अवसर पर शहर एवं प्रदेश के

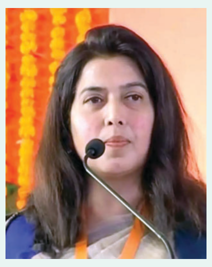

समस्त निवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की है । उन्होनें सिख समुदाय सहित शहर वासियों को बताया कि गुरुनानक देव जी ने ही सिख धर्म की नींव रखी थी, और लोगों को सत्कर्म का मार्ग दिखाया था। गुरुनानक देव जी अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्मसुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त और विश्वबन्धु सभी के गुण समेटे हुये थे। राज्य सभा सांसद सुश्री पाण्डेय ने बताया कि आज प्रकाश पर्व के अवसर पर हम गूरुनानक जयंती मना रहे है । वहीं आज लोक आस्था का पावन पर्व कार्तिक पूर्णिमा का पर्व भी मनाया जा रहा है । उन्होनें कहा श्रद्धा, भक्ति और दैवीय उपासना की इस भारतीय परंपरा से प्रकाशित पर्व कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली की समस्त शहर वासियों एवं प्रदेशवासियों को असीम शुभकामनाएँ । मेरी कामना है कि यह पावन पर्व पर मेरे शहर और प्रदेश भर के परिवाजनों के जीवन में नई रौनक और खुशियॉ तथा स्फूर्ति लेकर आए। उन्होनें कहा भगवान श्री विष्णु एवं मॉ गंगा की कृपा से आप सभी के जीवन में सुख समृद्धि और सकारात्मक उर्जा का संचार हो, चराचर जगत का कल्याण हो यही प्रार्थना है।

मनोकामना सामाजिक संस्था ने शास्त्री नगर में निःशुल्क बांटी एकादशी व्रत कथा की पुस्तक

भिलाई। मनोकामना सामाजिक संस्था खुर्सीपार के लोगों ने देवउठनी एकादशी पर वार्ड 50 शास्त्री नगर में 100 नग एकादशी व्रत कथा की किताब का वितरण किया। समिति के अध्यक्ष वी वायकुंठ राव ने बताया कि समिति के महिला कार्यकर्ताओं के आग्रह पर एकादशी व्रत कथा के किताब को निशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर यशवंत यादव, शेषनाथ गुप्ता, के सरीश, बलराम रेड्डी, निर्मल रनाडे, सूरज ठाकुर, हर्ष जैसल, एन सतीश उपस्थित हुए।

हेमचंद विश्वविद्यालय की महिला क्रिकेट टीम जौनपुर के लिए रवाना

भिलाई। वीबीएस पूर्वांचल यूनिवर्सिटी जौनपुर में होने वाली ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालयीन महिला क्रिकेट स्पर्धा 24 नवंबर से शुरू हो गई है, जो 1 दिसंबर तक चलेगी। इसमें हेमचंद यादव विवि के मैच 28 नवंबर से होंगे। इसके लिए टीम शनिवार की देर शाम दुर्ग रेलवे स्टेशन से रवाना हुई। इससे पहले 22 नवंबर से महिला क्रिकेट टीम का शिविर लगाया गया था। टीम में मानश्री मौर्य, मोनिका, मानसी सिंह ठाकुर, प्रेरणा मेश्राम, मुस्कान मेश्राम, पूजा साहू, सोनम वर्मा, लवली कश्यप, पूर्वा देवांगन, जागृति, छवि निषाद, दीक्षा टंडन, कौशल्या निषाद, चांदनी, हेमलता पोर्ते और निशा शामिल हैं। टीम की कोच आदिला खान और मैनेजर डॉ. रिंसी बी अब्राहम। टीम के सदस्यों ने जाने से पहले संचालक खेल डॉ. दिनेश नामदेव और अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव से मुलाकात की। दोनों ने टीम के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई।

संविधान-दिवस पर न्यायिक अधिकारियों ने किया व्यापक स्तर में जागरुकता शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के तत्वाधान में एवं जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग नीता यादव के मार्गदर्शन में दिनांक 26 नवंबर 2023 को ''विधि दिवस'' के अवसर पर जिला न्यायालय स्थापना दुर्ग के न्यायाधीशगण क्रमशः संजीव कुमार टॉमक, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा स्थान-प्रयास बॉयज हॉस्टल, रोजगार कार्यालय के पास मालवीय नगर, दुर्ग में राकेश कुमार वर्मा, द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग, विवेक कुमार वर्मा, चतुर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग, आदित्य जोशी, षष्ठम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग द्वारा शासकीय अनु.ज.जा. पो.मैट्रिक बॉयज हॉस्टल आर.टी.ओ.ऑफिस के सामने, जल विहार के पास दुर्ग में श्रीमती संगीता नवीन तिवारी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, चतुर्थ एफटी.सी. दुर्ग द्वारा शासकीय गर्ल्स हॉस्टल/शासकीय

अनु.ज. जा.पो.मैट्रिक गर्ल्स हास्टल जेल रोड दुर्ग में जनार्दन खरे, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 के प्रथम अति.न्यायाधीश दुर्ग द्वारा चंद्रशेखर आजाद बॉयज हॉस्टल, जल परिसर, जी.ई.रोड दुर्ग में सरोजनी जनार्दन खरे, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 के द्वितीय अति.न्यायाधीश दुर्ग, शीलू केसरी, पंचम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, दुर्ग द्वारा शासकीय पोस्ट मैट्रिक एस.सी. बॉयज हॉस्टल, मालवीय नगर दुर्ग में तथा कु. अंकिता मदनलाल गुप्ता, अष्टम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, दुर्ग कु. अंकिता तिग्गा, पंचदश व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 दुर्ग द्वारा शासकीय मैट्रिक एस.सी. बॉयज हॉस्टल, मालवीय नगर दुर्ग में एवं केवरा राजपूत, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 दुर्ग, नीलेश बघेल, सप्तम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2 दुर्ग, कु. सुरभि धनगढ़ प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-2, दुर्ग के द्वितीय अति. न्यायाधीश दुर्ग द्वारा स्थान प्रयास गर्ल्स हॉस्टल, जल परिसर, आर.टी.ओ. ऑफिस के सामने दुर्ग में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त आयोजित शिविर में उपस्थितजनों/विद्यार्थियों को माननीय न्यायधीशगणों द्वारा ''भारत के संविधान की उद्देशिका'' के वाचन से कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए बताया गया कि भारतीय लोकतंत्र में आज का दिन (26 नवंबर) काफी महत्वपूर्ण है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की आत्मा हमारा ''संविधान'' जिसे हमने आज ही के दिन 26 नवंबर 1949 को स्वीकार किया था और जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। यह एक ऐतिहासिक पल है।

इसी दिन एक राष्ट्र के तौर पर हमने तय किया था कि अब आगे हमारी दिशा किन ''निर्देशों'' पर होगी किन ''नियमों'' पर होगी ''सविधान'' उक्त निर्देश/नियम के एक-एक शब्द पवित्र व पूजनीय हैं। हमारा संविधान जितना जीवंत है उतना संवेदनशील तथा जितना जवाबदेह है उतना सक्षम भी है। ''संविधान'' ही है जो देश को लोकतंत्र के रास्ते पर बनाए रखता है और उसे भटकने से रोकता है अर्थात भारत का संविधान विधि के नियमों को स्थापित करने के साथ-साथ लोकतंत्र का ''रक्षक'' भी है और मानवाधिकारों की रक्षा करता है। न्यायाधीशगणों द्वारा उक्त आयोजित जागरूकता शिविरों में आगे यह भी बताया गया कि- देश में ''विधि दिवस'' के आयोजन की परंपरा 1979 से प्रारंभ हुई तथा ''भारत का संविधान'' विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

जिसमें सभी वर्गो, धर्मो, विचारों, भाषाओं, क्षेत्रों को समान स्थान प्रदान किया गया है। इसमें आवश्यकता मांग के अनुसार समय-समय पर संशोधन कर इसे और अधिक प्रभावशाली प्रासंगिक बनाया गया है। शिविर में उपस्थित विद्यार्थियों को संविधान में प्रदत्त नागरिकों के मूल कर्तव्य, मूल अधिकारों के बारे में बताते हुए इन्हें एक नागरिक के रूप में उनकी जिम्मेदारियों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गयी। 26 नवंबर ''संविधान-दिवस'' के अवसर पर न्यायाधीशगणों द्वारा विभिन्न स्थानों पर आयोजित उक्त जागरूकता शिविरों में लगभग 840 विद्यार्थी/आमजन लाभांवित हुए है।

संविधान दिवस पर युवोदय दुर्ग के दूत, ग्रीन केयर व निगम द्वारा गौरव चौक में स्वच्छता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। संविधान दिवस के अवसर पर दुर्ग के गौरव चौक पर जहां हमारे देश के संविधान की प्रतिकृति (उद्देशियका) व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सूची स्थापित है उस स्थान पर युवोदय दुर्ग के दूत ,ग्रीन केयर सोसायटी इंडिया एवम नगर पालिका निगम दुर्ग द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। सर्व प्रथम संविधान के प्रतिकृति एवम स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की सूची को पानी के फव्वारे से साफकिया गया ।

पश्चात नए साफ कपड़े से साफ पोछकर स्वच्छ किया ।आसपास झाड़ू बुहारी कर स्वच्छ किया गया तथा पौधों की सिंचाई की गई।

इसके पश्चात माल्यार्पण कर पूरे सम्मान के साथ पूजा की गई इसके बाद ग्रीन केयर अध्यक्ष एवम नगर निगम स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर डॉ विश्वनाथ पाणिग्राही ने उद्देश्यिका का वाचन किया जिसे सबने वाचन करते हुए संकल्प लिया । साथ ही डॉ पाणिग्राही ने संबोधित करते हुए कहा ,हर परिस्थिति मे हमें संविधान का पूर्ण सम्मान करते हुए उसका पालन करना चाहिए । नगर निगम के उद्यान निरीक्षक अनिल सिंह ,दुर्ग के दूत प्रगति महोबे,पूजा साव जी ,ममता देवांगन ,खुशबू खर्चे , सुयश शर्मा तथा रामनारायण यादव की सक्रिय सहभागिता रही ।

कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक जयंती के अवसर पर वोरा ने शहरवासियों को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। विधायक अरुण वोरा ने कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक जयंती के अवसर पर शहरवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। वोरा ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुगण सुबह सूरज निकलने से पहले नदी में स्नान करते हैं और पूजा अर्चना कर परिवारजनों की सुख समृद्धि की कामना करते हैं। वोरा ने शहर के सभी नागरिकों को इस अवसर पर बधाई देते हुए शहरवासियों के सुख समृद्धि की कामना की है। एल्डरमेन राजेश शर्मा ने भी शहरवासियों को कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक जयंती की बधाई दी है।

कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर दुर्ग में उत्सव का माहौल रहा। सुबह 3 बजे से लोग शिवनाथ नदी पहुंचने लगे और सूरज निकलने से पहले स्नान व दीपदान करने लगे। यहां श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। सुबह सूरज निकलने से पहले हजारों लोगों ने शिवनाथ नदी में स्नान कर दीपदान किया। नदी तट पर मेला भी लगा है। शहर के मंदिरों में भी कार्तिक पूर्णिमा पर विशेष आयोजन किया गया है। सुबह से देवालय और शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ गई है। देव दीपावली पर लोग घरों में दीपमाला जलाकर भगवान विष्णु का आह्वान करते हैं।

देवउठनी एकादशी के बाद से लेकर कार्तिक पूर्णिमा तक देवताओं ने पांच दिन का उत्सव मनाया था। देव उठनी एकादशी के दिन क्षीरसागर में भगवान विष्णु लंबी निद्रा के बाद जागे थे और पूर्णिमा के दिन वे देवलोक पहुंचे थे। जहां उनके आगमन पर सभी देवी-देवताओं ने दीपमाला जलाकर उनका स्वागत किया था। इसीलिए कार्तिक पूर्णिमा को देव दीपावली भी कहा जाता है। पवित्र नदियों में आज के दिन स्नान करने से उत्तम फल की प्राप्ति होती है।

सिख समाज के पहले गुरु गुरुनानक देव जी का प्रकाश उत्सव आज मनाया जा रहा है। रंग बिरंगी रोशनी से गुरुद्वारों की विशेष सजावट की गई है। सुबह से गुरुद्वारों में कीर्तन हो रहा है। सिख समाज के लोग काफी तादाद में गुरुद्वारे में आकर मत्था टेक रहे हैं। गुरुद्वारों में विशेष कार्यक्रम रखे गए हैं।

नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ 1 दिसंबर से, समिति ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रिसाली में 1 दिसंबर से होने वाले नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ के लिए भूमिपूजन किया गया। इस दौरान जोन प्रभारी एसपी सिंह ने बताया कि भूमि में बीज ही नही संस्कार भी उपजते हैं। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा के शांत-सुरभित वातावरण को हर कोई स्पष्ट अनुभव करता है। यह इस तथ्य का प्रतीक है कि भूमि में अच्छे-बुरे संस्कार ग्रहण करने की विलक्षण शक्ति होती है।

व्यक्तियों की तरह भूमि में भी अच्छे और बुरे संस्कार होते हैं। उन्होंने बताया कि 1 से 3 दिसंबर तक शिव गायत्री मंदिर रिसाली सेक्टर भिलाई में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के लिए धीरज लाल टांक, राजमणि दुबे, रामाधार महिलांग, मोहन उमरे, गिरधारी लाल साहू, पृथ्वीपाल साहू, सुनीलदास वैष्णव, रोमलाल साहू, लक्ष्मण देवांगन, जितेन्द्र प्रसाद आदि सहयोग दे रहे।

बजरंग दल ने किया सुपेला थाने का घेराव आपत्तिजनक किताबों की बिक्री का विरोध

भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के पास आयोजित संविधान मेले में स्टाल लगाकर बेच रहे हैं किताबें

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ बजरंग दल के विभाग संयोजक रवि निगम के नेतृत्व में सुपेला थाना में प्रदर्शन एवं घेराव किया गया। कोसा नाला के पास रेलवे की जमीन से लगे रिक्त भूमि पर आयोजित संविधान मेले में खुले आम स्टाल लगा कर हिंदू धर्म को आहत कर हिदूत्व के विरुद्ध आपत्तिजनक किताबो को बेचा जा रहा था जिसका मूल उद्देश्य हिंदू धार्मिक उन्माद भड़काना रहा है।

बजरंगियों को जब यह भनक लगी तो तत्काल विरोध प्रदर्शन किया गया जिसमे पोलिस प्रशासन के कार्यवाही के विलंब होने पर बजरंगी थाने पर ही भड़क गए और प्रदर्शन और नारे बाजी करने लगे तब भारी दबाव के बीच सीएसपी साहब ने खुद संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया तब बजरंगी शांत हुए। लगभग 3 घंटे तक थाना परिसर में गहमा गहमी वातावरण बना रहा थाना प्रभारी की भूमिका से सभी बजरंगी नाराज होकर जमकर नारेबाजी किए। भारी मशक्कत और दबाव के बाद सीएसपी साहब के द्वारा 295ए के तहत कार्यवाही की गई। मीडिया से बात करते हुए रवि निगम ने प्रशासन को चेताया कि अगर आगे ऐसे हुआ तो बक्शा नही जायेगा,ज्योति शर्मा दीदी ने सीधे चुनौती देते हुए कहा कि सभी बजरंगी भाई हिंदुत्व पर हुए आघात पर कुछ भी करने को तैयार बैठे है।

ईश्वर गुप्ता कुशल तिवारी, रितिक सोनी, अनिल बेहरा, प्रखंड अध्यक्ष सुपेला कौशल यादव करण सोनी शिव सोनी कैंप प्रखंड मंत्री दीपक कुलकर्णी मनीष पिपरोल, तुषार देवांगन, चिरंजीव, अंकित, राजू, थानेशवर, शिदु, शुदाम, आशीष, गोविंद, श्रीजल, योगेश, सोनू, मंयक,मोनटू, आकाश, आलोक, सागर, दिपक, राकेश यादव तिलक,दिनेश ,राजू आदि सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए अपनाने होंगे संवैधानिक रास्ते: पंकज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आचार्य नरेंद्र देव स्मृति जन अधिकार अभियान समिति, चंद्रशेखर फाउंडेशन एवं लोकनायक जयप्रकाश नारायण स्मारक प्रतिष्ठान की ओर से संविधान दिवस के अवसर पर विशेष परिचर्चा का आयोजन रविवार की दोपहर किया गया। प्रतिष्ठान के रूआबांधा सेक्टर स्थित कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में परिचर्चा का विषय 'संविधान-एक दृष्टि' रखा गया था।

प्रारंभ में अतिथियों व समस्त उपस्थित लोगों ने संविधान की प्रस्तावना का समूह स्वर में वाचन किया। आयोजन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता जमील अहमद ने संविधान निर्माण की पृष्ठभूमि से उपस्थित लोगों को अवगत कराते हुए कहा कि हमें अपने सामाजिक और आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निष्ठा पूर्वक संवैधानिक उपाय का सहारा लेना चाहिए। अध्यक्षता कर रहे साहित्यकार व सद्भावना दर्पण के संपादक गिरीश पंकज ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमें संवैधानिक तरीके अपनाने होंगे। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को संविधान की आत्मा से रूबरू कराना हम सब का कर्तव्य है।

इसके पहले आयोजन समिति की ओर से उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष आरपी शर्मा ने कहा कि संविधान निर्माण में हमारे देश के पुरोधाओं का योगदान अतुलनीय रहा है। देश के हर हिस्से से संविधान सभा में हमारे महापुरूषों ने अपना योगदान दिया और डॉक्टर अंबेडकर के नेतृत्व में हमें जो संविधान मिला उसे संरक्षित और सुरक्षित रखने की जवाबदारी हम सब की है। विशिष्ट अतिथि समाजवादी जनता पार्टी (राष्ट्रीय) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल ने 26 नवंबर 1949 को संविधान निर्माण के उपरांत डॉक्टर अंबेडकर के पहले भाषण को उद्धृत करते हुए कहा कि हमें राजनीतिक प्रजातंत्र पर संतोष नहीं करना है हमें हमारे राजनीतिक प्रजातंत्र को एक सामाजिक प्रजातंत्र भी बनाना चाहिए।

वामपंथी विचारक धर्मराज महापात्र ने कहा कि आज संविधान पर आसान खतरा हम सबको विचलित जरूर करता है लेकिन हमें एकजुटता के साथ इसका मुकाबला करना है और अपने संविधान को हर हाल में बचाना है। उन्होंने डॉक्टर अंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि अपनी स्वतंत्रता को एक महानायक के चरणों में भी समर्पित ना करें या उस पर विश्वास करके उसे इतनी शक्तियां प्रदान न कर दें कि वह संस्थाओं को नष्ट करने में समर्थ हो जाए।

उन्होंने कहा कि आज डॉ. अंबेडकर की यह उक्ति चरितार्थ हो रही है हमें इस स्थिति से उबरना होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता गुलाब सिंह पटेल ने कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की धरोहर है और इसकी रक्षा करना हम सबका राष्ट्रीय कर्तव्य है। अंत में अधिवक्ता अजहर अली ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि संविधान दिवस के अवसर पर हमें यह चिंतन करना होगा कि हमारे समक्ष आज लोकतंत्र को बचाए रखने की चुनौतियां किस तरह से सामने आ रही हैं हम सभी को इसका एकजुट होकर मुकाबला करना होगा।

इस अवसर पर समाजवादी जनता पार्टी चंद्रशेखर के महासचिव नंदकिशोर साहू, अजय चंदेल, कुलदीप सिंह, संतोष सिंह, सत्यनारायण गुप्ता, शिवकुमार प्रसाद, बीएम सिंह, एमआर रजक, डीपी सिंह, मदन प्रसाद श्रीवास्तव, शाहिद खान, जयराम पासी और अरविंद कुमार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950